पौष शुक्ल - 9 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 165 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 08-01-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 रोहित शर्मा और विराट कोहली का टेस्ट में भविष्य चयनकर्ताओं पर निर्भर : सुनील गावस्कर

6 ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस : चिंता में डूबी दुनिया

7 बाइडन सत्ता हस्तांतरण को मुश्किल बनाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे : ट्रंप

फर्स्ट टेक

ईडी ने केटीआर को नया समन जारी किया

हैदराबाद/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता के टी रामा राव को धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए 16 जनवरी को तलब किया है, क्योंकि वह मंगलवार को गवाही देने के लिए उपस्थित नहीं हुए थे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। ईडी की जांच फरवरी 2023 में हैदराबाद में आयोजित फॉर्मूला-ई रेस के दौरान कथित भुगतान अनियमितताओं से जुड़ी है। सूत्रों ने कहा कि केटीआर के नाम से मशहूर रामा राव (48) को सात जनवरी को पेश होने के लिए कहा गया था। हालांकि, उन्होंने गवाही देने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा जिसके बाद उन्हें 16 जनवरी को पेश होने को कहा गया।

तेलंगाना में पुल से फेंके जाने से 20 कुत्तों की मौत, 11 घायल

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कथित तौर पर पुल से फेंके जाने से 20 कुत्तों की मौत हो गई और 11 अन्य कुत्ते घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक पशु कल्याण संगठन के स्वयंसेवकों ने शिकायत दर्ज कराई है कि कुत्तों को चार जनवरी को एड्डुमाइलरम गांव के पास एक पुल से फेंका गया था। इंद्रकरण पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या कुत्तों को कहीं और मारकर पुल से नीचे फेंका गया था। पुलिस ने बताया कि 20 मृत कुत्तों का पोस्टमॉर्टम किया गया और नमूनों को फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में भेजा गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या उन्हें जहर दिया गया था।

पाकिस्तान सरकार ने लागत में कटौती के लिए 1.5 लाख नौकरियां खत्म कीं

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने मंगलवार को घोषणा की कि सरकार ने लागत में कटौती और दक्षता बढ़ाने के लिए 1.5 लाख नौकरियां समाप्त करने का फैसला किया है। उन्होंने साथ ही बताया कि सरकार संबद्ध एजेंसियों की संख्या में आधी कटौती करेगी। औरंगजेब ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम संघीय सरकार के आकार को चरणबद्ध तरीके से कम कर रहे हैं। अब तक 80 विभागों को 40 में समेकित किया जा चुका है।'' उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा जून, 2025 तक इन सुधारों को पूरा करने का है। उन्होंने कहा कि 60 प्रतिशत रिक्त पदों को खत्म कर दिया गया, जो करीब 1.5 लाख सरकारी नौकरियों के बराबर है।

सूर्यास्त 08-01-2025	सूर्योदय 09-01-2025
6:08 बजे	6:44 बजे

BSE	NSE
78,199.11	23,707.90
(+234.12)	(+91.85)

सोना	चांदी
8,014 रु.	91,295 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सोचो तो

हत्यारों का महिमा मण्डन,
सोचो ये कितना अज़ब दौर है।
सिर्फ सियासत पर ही चर्चा,
खुदगर्जों का ग़ज़ब शोर है।
कानूनों का खुला उल्लघंन,
गुण्डों का हर ओर जोर है।
बोले वो तो साहुकार है,
चुप रह जाए वही चोर है।।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'भारतपोल' की शुरूआत की,

भगोड़ों को अदालत के कटघरे में लाने में सशक्त बनाएगा भारतपोल पोर्टल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि तीन नये आपराधिक कानूनों के तहत शुरू की गई आधुनिक प्रणालियां और 'भारतपोल' जैसी प्रौद्योगिकीय व्यवस्थाएं कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भारत में अपराध करने के बाद विदेश भाग गए भगोड़ों को अदालत के कठघरे में लाने में सक्षम बनाएंगी।

इंटरपोल से संबंधित मुद्दों पर भारतीय एजेंसियों के साथ त्वरित समन्वय स्थापित करने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा विकसित नये पोर्टल 'भारतपोल' की शुरुआत के अवसर पर उन्होंने यह कहा।

शाह ने कहा कि केंद्र की (नरेन्द्र) मोदी सरकार द्वारा लाये गए तीन नये आपराधिक कानूनों में, आरोपियों की अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने का प्रावधान जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि इसके तहत एक न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित कर अदालत के आदेश पर, भगोड़े अपराधियों की अनुपस्थिति में उन पर मुकदमा चलाना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत में दोषी ठहराए गए अपराधियों को विदेशों से प्रत्यर्पित कराने की प्रक्रिया इस प्रावधान से सरल हो जाएगी।

शाह ने कहा, ''भारतपोल पोर्टल की क्षमताओं के साथ मिलकर यह नया उपाय भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भगोड़ों को अदालत के कटघरे में लाने में सशक्त बनाएगा, चाहे वे कहीं भी छिपे हों।''

'भारतपोल' सभी केंद्रीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को एक साझा पोर्टल पर लाएगा, जिससे इंटरपोल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहायता के लिए सभी अनुरोधों को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा, जिसमें रेड कॉर्नर नोटिस और रंग आधारित इंटरपोल के अन्य नोटिस शामिल हैं।

शाह ने कहा कि कई सालों तक भारत में अपराध कर दुनिया के अन्य देशों में भाग जाने वाले अपराधी हमारे कानूनों की पकड़ से बाहर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि आधुनिक व्यवस्थाओं का उपयोग कर कानून की पहुंच से बाहर रहे अपराधियों को हमारे कानून की गिरफ्त में लाया जाए।

गृह मंत्री ने सीबीआई का आह्वान किया कि वह जमीनी स्तर पर व्यापक प्रशिक्षण सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभाए, जिससे न्यायिक प्रणाली मजबूत होगी, पारदर्शिता बढ़ेगी और कानून प्रवर्तन प्रयासों की समग्र दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार होगा।

दिल्ली में बजा चुनावी बिगुल

पांच फरवरी को मतदान और आठ को होगी मतगणना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को चुनावी बिगुल बज गया। यहां की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा जबकि मतों की गिनती तीन दिन बाद आठ फरवरी को की जाएगी।

निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को यहां चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है। दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं जिसमें से 58 सामान्य श्रेणी की जबकि 12 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 जनवरी है और नामांकन पत्रों की जांच 18 जनवरी तक की जाएगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवार 20 जनवरी तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे।

- उत्तर प्रदेश में मिल्कीपुर और तमिलनाडु में इरोड विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव इसी कार्यक्रम के अनुसार होंगे।

ईवीएम हैक नहीं किए जा सकते, आरोप पूरी तरह निराधार : राजीव कुमार

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ के विपक्षी दलों के दावों को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि अदालतों ने 42 बार फैसला सुनाया है कि चुनावी मशीनें हैक नहीं की जा सकतीं और छेड़छाड़ के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कुमार ने जनता को 'झूठ के गुब्बारे' फैलाने वालों से बचने की सलाह दी। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ईवीएम मतदान के दिन से केवल सात से आठ दिन पहले चालू की जाती हैं और उम्मीदवारों को हर कदम पर उनके एजेंटों के माध्यम से सूचित किया जाता है। अदालतों ने 42 मौकों पर फैसला सुनाया है कि ईवीएम हैक नहीं किए जा सकते ... मशीनों के साथ छेड़छाड़ के आरोप पूरी तरह से निराधार हैं। उन्होंने दोहराया कि मतदान के आंकड़ों को बदलना असंभव है और शाम 5 बजे के बाद मतदान में वृद्धि के बारे में गलत धारणा फैलाई जा रही है। उन्होंने कहा, गलत धारणाओं का पर्दाफाश करना हमारा मुख्य काम है, विस्तृत दिशानिर्देश और डेटासेट हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

राजनीति से ऊपर उठें, भारत को 2047 तक विकसित देश बनाएं : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मस्थल(कर्नाटक)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को लोगों से विघटन की राजनीति से ऊपर उठने और देश को 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, यह अब एक सपना नहीं है, बल्कि यह हमारा लक्ष्य है।

धनखड़ यहां श्री मंजूनाथ मंदिर में देश के सबसे बड़े 'क्यू कॉम्प्लेक्स' (प्रतीक्षा परिसर) का उद्घाटन कर रहे थे। इस सुविधा को 'श्री सानिध्य' के नाम से जाना जाता है।

धनखड़ ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, हमें भारत विरोधी ताकतों को बेअसर करना होगा जो विभाजन और गलत सूचना के माध्यम से हमें कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। हमें उन्हें हमारे देश के महान नाम और समावेशिता, कल्याण और हमारे लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में हासिल की गई सभी उपलब्धियों को कलंकित करने से रोकना होगा।

धनखड़ ने पत्नी सुदेश के साथ कार्यक्रम से पहले श्री क्षेत्र धर्मस्थल के धर्माधिकारी डी. वीरेंद्र हेगड़े के साथ मंदिर नगर के मुख्य देवता भगवान मंजूनाथ स्वामी (शिव का एक रूप) के दर्शन किए। उन्होंने नए प्रतीक्षा परिसर 'श्री सानिध्य' का भी दौरा किया और श्रद्धालुओं को अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में मंदिर ट्रस्ट की प्रतिबद्धता की सराहना की।

मंदिरों में वीआईपी की संस्कृति बंद हो

धर्मस्थल (कर्नाटक)/भाषा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि हमें वीआईपी संस्कृति को खत्म करना चाहिए, खासकर मंदिरों में क्योंकि वीआईपी दर्शन का विचार ही देवत्व के खिलाफ है। धनखड़ ने कहा, ''जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है एवं जब हम उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं तो यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है। यह एक अतिक्रमण है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों में तो बिल्कुल भी नहीं।'' धनखड़ यहां श्री मंजूनाथ मंदिर में देश के सबसे बड़े 'क्यू कॉम्प्लेक्स' (प्रतीक्षा परिसर) का उद्घाटन कर रहे थे। इस सुविधा को 'श्री सानिध्य' के नाम से जाना जाता है।

धनशोधन मामले की जांच के तहत ईडी ने बीबीएमपी कार्यालयों पर छापे मारे

बेंगलूरु/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) में कथित अनियमितताओं के खिलाफ व्यापक धन शोधन जांच के तहत मंगलवार को आधा दर्जन स्थानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संघीय एजेंसी ने छापेमारी के दौरान काफी संख्या में दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एकत्र किए। उन्होंने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत बीबीएमपी से जुड़े लगभग छह कार्यालयों की तलाशी ली गई। सूत्रों ने बताया कि यह छापेमारी बोरवेल खोदने और आरओ संयंत्र स्थापित करने समेत अन्य कामों में कथित अनियमितताओं को लेकर ईडी की 'व्यापक' कार्रवाई का हिस्सा है। यह तलाशी बीबीएमपी के पूर्व पार्षद एन आर रमेश द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर आधारित है। भाजपा नेता रमेश ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने 2016 से 2019 के बीच बोरवेल और आरओ संयंत्रों के बारे में 16 जून, 2020 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में शिकायत दर्ज कराई थी। यह योजना उन क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई थी, जहां कावेरी जल आपूर्ति नहीं है।

शिक्षकों पर समाज और राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि शिक्षकों पर समाज और राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी है तथा समय के साथ उनकी भूमिका में बदलाव आया है। सिंह मंगलवार को यहां माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) के मुफीद-ए-आम इंटर कॉलेज में आयोजित राज्य सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

इससे पहले राजनाथ सिंह ने तीन दिवसीय सम्मेलन का दीप प्रज्वलित करके उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, ''शिक्षकों की भूमिका बताने की आवश्यकता नहीं। राजनीति में आने से पहले मैं भी शिक्षक था। भले अब शिक्षक नहीं हूं, पढ़ाने का क्रम टूटा है, लेकिन पढ़ाई जारी है।''

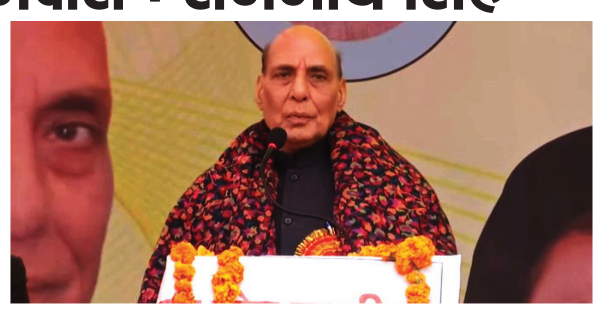

रक्षामंत्री ने कहा कि कंप्यूटर युग में युवाओं में सूचनाओं का अभाव नहीं है, उन्हें सूचनाएं एक क्लिक में मिल रही हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे में शिक्षकों की भूमिका पर सवाल उठ रहा है लेकिन सूचना देने और शिक्षित करने में बहुत अंतर है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ बच्चों में सांस्कृतिक चेतना भी जगानी होगी। शिक्षकों की पुरानी पेंशन बहाली की मांग पर रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि शिक्षकों की जो मांग है उसको लेकर वे मुख्यमंत्री से मिलें। उन्होंने कहा कि यदि मांग तर्कसंगत है तो विचार अवश्य होगा, फैसला उत्तर प्रदेश सरकार को लेना है। उन्होंने कहा, ''मैं भी मुख्यमंत्री योगी (आदित्यनाथ) से मिलकर बोलूंगा।''

जल्द ही मिलेगी सड़क दुर्घटना पीड़ितों को इलाज की कैशलेस सुविधा

सरकार इस साल मार्च तक एक संशोधित योजना लेकर आएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए 'कैशलेस' या नकदी-रहित इलाज प्रदान करने के लिए मार्च तक एक संशोधित योजना लाएगी। इसके तहत प्रति दुर्घटना प्रति व्यक्ति अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक 'कैशलेस' इलाज की सुविधा मिलेगी।

गडकरी ने कहा कि यह योजना किसी भी श्रेणी की सड़क पर मोटर वाहनों के कारण होने वाली सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू होगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए), पुलिस, अस्पताल और राज्य स्वास्थ्य एजेंसी आदि के समन्वय से कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन एजेंसी होगी।

कार्यक्रम को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के ई-विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (ईडीएआर) एप्लिकेशन और एनएचए की लेनदेन प्रबंधन प्रणाली की कार्यक्षमता को मिलाकर एक आईटी मंच के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा।

गडकरी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''पायलट कार्यक्रम की व्यापक रूपरेखा के अनुसार पीड़ित दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिन की अवधि के लिए प्रति व्यक्ति अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक 'कैशलेस' उपचार के हकदार हैं।''

तिब्बत में 6.8 तीव्रता के भूकंप से 126 लोगों की मौत, नेपाल में भी झटके महसूस किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। तिब्बत के सबसे पवित्र शहरों में से एक के निकट मंगलवार को 6.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें कम से कम 126 लोगों की मौत हो गई और 188 अन्य घायल हो गए। पड़ोसी देश नेपाल में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसके कारण इमारतें हिलने लगीं और लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आए।

क्षेत्रीय आपदा राहत मुख्यालय के अनुसार, भूकंप मंगलवार सुबह (बीजिंग समयनुसार) 9:05 बजे चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के शिगाज़े में डिंगरी काउंटी में आया। हालांकि, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सेवा ने भूकंप की तीव्रता 7.1 बताई है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, कम से कम 126 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है तथा 188 अन्य घायल हुए हैं।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों के लिए हर संभव प्रयास करने के आदेश दिए।

शी ने घायलों के उपचार के लिए हरसंभव प्रयास करने का आदेश दिया तथा द्वितीयक आपदाओं (भूकंप के बाद संभावित आपदाओं) को रोकने, प्रभावित निवासियों के समुचित पुनर्वास तथा इसके बाद के कार्यों को प्रभावी ढंग से करने के लिए प्रयास करने का आग्रह किया।

भूकंप के बाद, 'चीन भूकंप प्रशासन' ने स्तर-दो की आपात सेवा प्रतिक्रिया शुरू की तथा आपदा राहत प्रयासों में सहायता के लिए एक दल को घटनास्थल पर भेजा।

केंद्रीय प्राधिकारियों ने भूकंप प्रभावित क्षेत्र में करीब 22,000 आपदा राहत सामग्री भेजी है, जिनमें तंबू, कोट, रजाई और फोल्डिंग बिस्तर के साथ-साथ ऊंचाई वाले और ठंडे क्षेत्रों के लिए विशेष राहत सामग्री भी शामिल है।

बहुत दुखी हूं : दलाई लामा

शिमला/धर्मशाला/भाषा। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने मंगलवार को तिब्बत के डिंगरी काउंटी में आए विनाशकारी भूकंप में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया।

केंद्रीय तिब्बती प्रशासन की आधिकारिक साइट के अनुसार, दलाई लामा ने कहा कि आज सुबह तिब्बत और आसपास के क्षेत्रों में आए विनाशकारी भूकंप के बारे में जानकर उन्हें बहुत दुख हुआ है। उन्होंने एक संदेश में कहा, ''इससे (भूकंप से) कई लोगों की दुखद मृत्यु हुई है, कई लोग घायल हुए हैं और घरों तथा संपत्तियों को व्यापक क्षति पहुंची है।'' उन्होंने कहा, ''मैं उन लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई है और जो लोग घायल हुए हैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।''

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मैसूर रोड गुड्डाहल्ली राघवनगर के होयसला कन्नड़ युवा संघ ने अणम्मा देवी का उत्सव आयोजित किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने अन्नदान सेवा में सहयोग दिया तथा जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री आतिशी फर्जी दावा कर रही हैं कि उनका आधिकारिक आवास छीना गया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के इस दावे को मंगलवार को ''झूठ'' करार दिया कि उनका आधिकारिक आवास छीन लिया गया है।

भाजपा ने कहा कि 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित आवास का आवंटन दो ''प्रमुख कारणों''से रद्द किया गया, जिसमें आवश्यक समय-सीमा के भीतर उसका कब्जा नहीं लेना भी शामिल है।

आतिशी के दावे पर पलटवार करते हुए भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि ''उनके झूठ पर कोई विश्वास नहीं करेगा।

मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अरविंद केजरीवाल और उनकी शागिर्द दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के झूठ का पर्दाफाश: पहली बात कि उन्हें घर से निकाला नहीं गया है। दूसरा उन्होंने कभी भी शीश महल में प्रवेश नहीं किया, जो 11 अक्टूबर 2024 को उन्हें आवंटित किया गया था। उन्होंने कहा, आतिशी के पास पहले से ही 17 एबी मथुरा रोड पर एक आधिकारिक निवास है, और उन्हें दो अन्य आलीशान बंगले भी पेश किए गए हैं।

मालवीय ने कहा कि 'शीश महल' का आवंटन वापस लेने के दो प्रमुख कारण सामने आए हैं। उन्होंने कहा, पहला, गृह प्रवेश में विफलता: नियमों के अनुसार, आवंटन के एक हफ्ते के भीतर उन्हें घर का कब्जा लेना था, लेकिन तीन महीने बीतने के बाद भी उन्होंने ऐसा नहीं किया।

मालवीय ने कहा, दूसरा कारण, सीबीआई/ईडी जांच है। शीश महल सीबीआई और ईडी की जांच के दायरे में है, और कैग की रिपोर्ट ने इसके निर्माण में भ्रष्टाचार की पुष्टि की है। घर के आवंटन की शर्त थी कि आतिशी जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करेंगी। लेकिन उन्होंने जानबूझकर घर का कब्जा नहीं लिया, ताकि घर बंद रहे और जांच एजेंसियों का काम बाधित हो। उन्होंने कहा, उनके झूठ पर कोई यकीन करने वाला नहीं है।

मुकाबला काम की राजनीति और गाली-गलौज की राजनीति के बीच होगा : दिल्ली चुनाव पर केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में ''काम की राजनीति और गाली-गलौज की राजनीति'' के बीच मुकाबला होगा और दावा किया कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में सरकार बनाएगी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव 5 फरवरी को होंगे और मतगणना 8 फरवरी को होगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 17 जनवरी है और नामांकन पत्रों की जांच 18 जनवरी तक की जाएगी।

केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह चुनाव काम की राजनीति और गाली-गलौज की राजनीति के बीच होगा। दिल्ली की जनता का विश्वास हमारी काम की राजनीति के साथ रहेगा। हम जरूर जीतेंगे। केजरीवाल और आप के अन्य नेता भाजपा पर गाली-गलौज करने का आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि भाजपा मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार और मुद्दों के बिना चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है। केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत और जोश के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार रहने की अपील की और उन्हें पार्टी की सबसे बड़ी ताकत बताया।

'जीतो' केकेजी जोन का सम्मेलन 'खुशियों की गारंटी' 12 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो के कर्नाटक, केरल एवं गोवा जोन का एक दिवसीय सम्मेलन होटल शांग्रिला में 12 जनवरी को आयोजित होगा। सम्मेलन में जीतो अपेक्स, जोन व जोन के अंतर्गत आने वाले सभी चेप्टर के वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारी भाग लेंगे। सम्मेलन की तैयारियों के लिए लालबाग रोड़ पर आयोजित जोन पदाधिकारियों की सभा में जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना ने सम्मेलन आयोजन के उद्धेश्य के बारे में बताते हुए कहा कि आयोजन में अपेक्स अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी सहित अनेकों पदाधिकारियों की उपस्थिति एवं उनके दूरदर्शी विचारों से जोन के सभी चेप्टरों के आगामी दो वर्षो के कार्यों को एक नया आकार मिलने की प्रबल संभावना है। केकेजी जोन के महामंत्री दिलीप जैन ने सम्मेलन संबंधित सभी कार्यों की रूपरेखा बताई। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नवीनतम अवसरों की खोज में सहायक सिद्ध होगा, साथ ही जीतो के प्रभावशाली प्रबृद्ध जनों से बांडिंग के अवसर भी प्राप्त होंगे। जोन के मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार सम्मेलन में आमंत्रितों के अलावा अन्य जीतो सदस्यों के लिये पंजीकरण का कार्य गतिमान है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में जीतो द्वारा गतिमान विभिन्न जनहितैषी योजनाओं का विस्तृत विवरण रखा जाएगा। सभा में कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, नीलेश कुहाड़, तुषार बाफना, विक्रम बागरेचा, नितिन कटारिया, मुकेश सुराणा, विमलेश भंडारी, सुशील तलेसरा, कार्यालय प्रबंधक सौरव आदि मौजूद थे।

महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने कहा
मैंने इस्तीफा नहीं दिया है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बीड में एक गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा नहीं दिया है।

मुंबई में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री मुंडे ने संवाददाताओं से कहा, मैंने इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने अन्य सवालों का जवाब नहीं दिया।

राकांपा (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले और शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि मुंडे को राज्य मंत्रिमंडल में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। सुले ने अपने निर्वाचन क्षेत्र बारामती में संवाददाताओं से कहा, धनंजय मुंडे को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। राउत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा मुंडे का समर्थन करने पर सवाल उठाया। राउत ने पूछा, जब बीड और अन्य जगहों के लोग मुंडे का इस्तीफा मांग रहे हैं, तो अजित पवार मुंडे का समर्थन क्यों कर रहे हैं? मंत्री के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड द्वारा 31 दिसंबर को पुणे में अपराध अन्वेषण विभाग के समक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद मुंडे के इस्तीफे की मांग तेज हो गई। कराड दिसंबर में देशमुख की नृशंस हत्या से जुड़े जबरन वसूली के एक मामले में आरोपी हैं।

टाटा डिजिटल ने सावधि जमा सुविधा के साथ खुदरा निवेश क्षेत्र में कदम रखा

नई दिल्ली/भाषा। टाटा डिजिटल ने अपने सुपरऐप 'टाटा न्यू' पर सावधि जमाओं की सुविधा शुरू करने के साथ खुदरा निवेश क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि ग्राहक बिना किसी बचत बैंक खाते के भी अग्रणी वित्तीय संस्थानों के साथ बाजार के जरिये 9.1 प्रतिशत तक की ब्याज दरों पर सावधि जमाओं में निवेश कर सकते हैं। टाटा डिजिटल के मुख्य व्यवसाय अधिकारी (वित्तीय सेवाएं) गौरव हजराती ने कहा, सावधि जमा बाजार के साथ हमारा लक्ष्य कई विश्वसनीय प्रदाताओं से उच्च-प्रतिफल, निश्चित-रिटर्न तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाना है। उन्होंने कहा, यह सरल एवं सुरक्षित मंच प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों की पेशकश करने के लिए तैयार किया गया है, जो अनुभवी निवेशकों एवं नए निवेशकों दोनों को आत्मविश्वास व सहजता से अपनी संपत्ति बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

भाजपा नीत केंद्र सरकार ने दिल्ली की मुख्यमंत्री का सरकारी आवास छीन लिया: आतिशी

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने आवंटन रद्द करके दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी का आधिकारिक आवास छीन लिया है।

आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि केंद्र सरकार चाहे जो भी करे, वह दिल्ली के लोगों के लिए काम करती रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, आधिकारिक आवास मेरे लिए मायने नहीं रखता। जरूरत पड़ने पर मैं सड़कों पर उतरकर दिल्ली के लोगों के लिए काम करूंगी। आतिशी ने कहा, जब उन्होंने मेरा आधिकारिक आवास छीन लिया, तो मैंने हमारी महिलाओं को 2,100 रुपए देने का संकल्प लिया था। मैं हमारे बुजुर्गों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा प्रदान करूंगी। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारश्रे भी संवाददाता सम्मेलन में मौजूद थे।

चालू वित्त वर्ष में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था, चार साल में सबसे कम : एनएसओ

नई दिल्ली/भाषा। विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन से देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर चार साल के निचले स्तर 6.4 प्रतिशत पर आ सकती है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह अनुमान जताया गया। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय आय का पहला अग्रिम अनुमान जारी करते हुए यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वित्त वर्ष 2024-25 में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसकी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत थी। अगर ऐसा होता है तो देश की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2020-21 के बाद सबसे धीमी गति से बढ़ेगी। कोविड महामारी से बुरी तरह प्रभावित वित्त वर्ष 2020-21 में अर्थव्यवस्था में 5.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, उसके बाद 2021-22 में यह 9.7 प्रतिशत, 2022-23 में सात प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की उच्च दर से बढ़ी थी। एनएसओ का वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 6.4 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान से कम है। आरबीआई ने दिसंबर, 2024 में जारी अपने अनुमान में कहा था कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। पोस्ट में बैठक की एक तस्वीर भी साझा की गई।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आगामी दिनों में प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ मेले में लगने वाले अन्नक्षेत्र के लिए वेल्लूर के श्रीपुरम स्थित श्री नारायणी पीठ की ओर से एक टन तुअर दाल भेंट की गई। नारायणी पीठ के पीठाधीश श्री शक्ति अम्मा ने दाल से भरे ट्रक को प्रयागराज के लिए रवाना किया।

अगले वित्त वर्ष में बैंकों की लाभप्रदता पर असर पड़ने की आशंका : इंडिया रेटिंग्स

मुंबई/भाषा। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को कहा कि खराब परिसंपत्तियों में वृद्धि से अगले वित्त वर्ष में बैंकों की लाभप्रदता पर असर पड़ने की आशंका है। घरेलू रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारतीय बैंकों की लाभप्रदता वित्त वर्ष 2024-25 में 'घुमाव बिंदु' पर है और अगले वित्त वर्ष में इसमें और कमी आने की संभावना है। उसने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 मुनाफे के लिहाज से बैंकों के लिए चरम का साल था। रेटिंग एजेंसी के प्रमुख और निदेशक (वित्तीय संस्थान) करण गुप्ता ने यहां संवाददाताओं से कहा, वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकों की लाभप्रदता में और कमी आने की आशंका है। इसकी वजह यह है कि वित्त वर्ष 2023-24 के स्तर पर कर्ज चूक बढ़ने और ऋण लागत में वृद्धि की उम्मीद है जो दशक के निचले स्तर पर था। गुप्ता ने कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता दबाव का एक बड़ा हिस्सा बिना गारंटी वाले खुदरा कर्ज जोखिम से उत्पन्न होगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसे संभाला जा सकता है और इसका कोई प्रणालीगत प्रभाव नहीं होगा।

'स्वयंपूर्ण गोवा' पहल से तीन लाख से अधिक लोगों को लाभ हुआ: मुख्यमंत्री सावंत

पणजी/भाषा। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि राज्य के प्रत्येक गांव और शहर को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सरकार की ओर से शुरू की गई 'स्वयंपूर्ण गोवा' पहल से तीन लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सोमवार को सभी तालुका नोडल अधिकारियों और विभिन्न सरकारी विभागों के प्रमुखों के साथ एक समीक्षा बैठक बुलाई, जिसमें 'स्वयंपूर्ण गोवा' कार्यक्रम की प्रगति और तटीय राज्य में जारी विशेष अभियानों की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री के हवाले से बताया कि राज्य में लगभग 3.14 लाख लोग इस कार्यक्रम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए हैं। सावंत ने स्वयंपूर्ण मित्रों और तालुका नोडल अधिकारियों द्वारा अपने-अपने ग्राम पंचायतों में किए गए अच्छे कार्यों की सराहना की। प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने 'विजन फॉर ऑल' पहल का विशेष उल्लेख किया, जिसके तहत सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में पहली कक्षा 10वीं कक्षा तक के दो लाख से अधिक छात्रों की आंखों की जांच की गई।

जम्मू-कश्मीर : आतंकवादियों के पाकिस्तान में रह रहे आका की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके में आतंकवादियों के एक आका की अचल संपत्ति मंगलवार को कुर्क कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, लाखों रुपए की यह संपत्ति गुलाम नबी डार के बेटे मुबाशिर अहमद की है जो कथित तौर पर पाकिस्तान में है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, अवंतीपोरा में पुलिस ने त्राल के परस्तून क्षेत्र के सैयदाबाद में स्थित एक अचल संपत्ति (चार मरला जमीन) जब्त की है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 25 के तहत की गई। अवंतीपोरा पुलिस द्वारा की गई जांच के दौरान पाया गया कि यह संपत्ति आतंकवादियों के एक आका की है। उन्होंने कहा कि अहमद स्थानीय आतंकवादी नेटवर्क को सक्रिय करने के लिए देश में हथियार और गोला-बारूद भेजकर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने और पुनर्जीवित करने में लिप्त है।

ओवैसी ने चीन नीति को लेकर राजग सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने चीन नीति को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर मंगलवार को निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या पूर्वी लद्दाख के गलवान में गश्त के अधिकार को ''बहाल'' करने की कोई योजना है। उन्होंने दावा किया कि दो काउंटी के गठन को लेकर चीन के समक्ष भारत सरकार का हालिया विरोध तथा ब्रह्मपुत्र पर नए बांध पर ''पुनर्विचार करने के अनुरोध'' का असर पड़ोसी देश पर नहीं होगा।

ओवैसी ने एक पोस्ट में कहा, क्या हमारे पास गलवान, हॉट स्प्रिंग, गोगरा, पैंगोंग और कैलाश रेंज में अपने सैनिकों के लिए गश्त के अधिकार बहाल कराने की कोई योजना है? क्या हमने पूर्वी लद्दाख में अप्रैल 2020 की यथास्थिति बहाल करने की उम्मीद पूरी तरह छोड़ दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि न केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा पूरी तरह से कुप्रबंधन का शिकार है, विशेष रूप से मणिपुर और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में, बल्कि समान रूप से चिंताजनक बात यह भी है कि ''भारत की बाह्य सुरक्षा का भी कुप्रबंधन हो रहा है, जहां सशस्त्र बलों के राजनीतिकरण के निरंतर प्रयासों से स्थिति और खराब होने की आशंका है। हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ओवैसी ने आरोप लगाया कि (प्रधानमंत्री नरेन्द्र)मोदी सरकार संसद में इन गंभीर मुद्दों पर बहस की अनुमति नहीं देती।

वेतन बढ़ाने से इनकार पर कर्मचारी ने बाइक शोरूम में से छह लाख रुपए की चोरी की, गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में बाइक के एक शोरूम में से छह लाख रुपए और इलेक्ट्रॉनिक का सामान चुराने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बाइक के शोरूम में कार्यरत 20 वर्षीय कर्मचारी ने वेतन बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन तनख्वाह बढ़ाने से इनकार करने पर उसने शोरूम में ही चोरी कर ली। पश्चिमी दिल्ली के उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि पुलिस ने आरोपी हसन खान के पास से पांच लाख रुपए और दो महंगे कैमरे बरामद किए हैं। चोरी का बाकी सामान बरामद किए जाने की कोशिश की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि पश्चिमी दिल्ली के नारायणा स्थित शोरूम से 31 दिसंबर को छह लाख रुपए नकद और इलेक्ट्रॉनिक का कुछ सामान चुरा लिया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

'भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में दुनिया का प्रमुख केंद्र बनने के रास्ते पर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

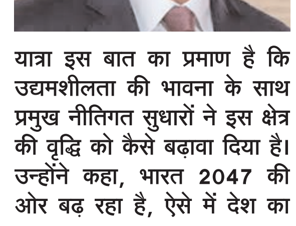

नई दिल्ली/भाषा। टॉरेंट समूह के चेयरमैन और इंडिन फार्मास्युटिकल अलायंस के अध्यक्ष समीर मेहता ने कहा है कि भारत नवोन्मेष के साथ दुनिया में स्वास्थ्य क्षेत्र का प्रमुख केंद्र बनने के रास्ते पर है। इसके साथ देश के औषधि उद्योग का आकार 2030 तक दोगुना से अधिक होकर 120 से 130 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। पिछले 25 साल में, भारतीय औषधि उद्योग लगभग 20 गुना बढ़ा है। वित्त वर्ष 1999-2000 में यह तीन अरब डॉलर का था जो अब 58 अरब डॉलर का हो गया है। यह आज घरेलू बिक्री और निर्यात में समान रूप से योगदान दे रहा है। यह क्षेत्र भारत के व्यापार अधिशेष में शीर्ष पांच योगदानकर्ताओं में से एक है। यह 1999-2000 में केवल एक अरब डॉलर था जो अब बढ़कर 19.5 अरब डॉलर का हो गया है।

मेहता ने आईपीए के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक लेख में लिखा, भारतीय औषधि क्षेत्र की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि उद्यमशीलता की भावना के साथ प्रमुख नीतिगत सुधारों ने इस क्षेत्र की वृद्धि को कैसे बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा, भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, ऐसे में देश का औषधि क्षेत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। इस उद्योग का रोजगार सृजन से लेकर वैश्विक व्यापार और नवोन्मेष से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान होगा। कुल मिलाकर यह 'विकसित भारत' के लक्ष्यों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मेहता ने लिखा, एक सहायक और अनुकूल नीतिगत ढांचा, अनुसंधान एवं विकास में मजबूत निवेश और सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच को लेकर प्रतिबद्धता इस क्षेत्र को क्षमता के पूरे उपयोग लिए सशक्त बना सकती है। इस आकांक्षा को प्राप्त करने के लिए फार्मा उद्योग, सहायक क्षेत्रों, नियामकों और शैक्षणिक संस्थानों समेत सभी संबंधित पक्षों के बीच ठोस प्रयास जरूरी है। उन्होंने कहा कि 'वसुधैव कुटुंबकम' के प्राचीन भारतीय दर्शन को अपनाते हुए, भारत दुनिया का स्वास्थ्य देखभाल का प्रमुख केंद्र बनने के लिए तैयार है। मेहता ने लिखा है कि उच्च गुणवत्ता, सस्ती जेनेरिक दवाओं और टीकों के उत्पादन में भारत की उत्कृष्टता ने देश को वैश्विक मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है।

उद्घाटन

धर्मस्थल में मंगलवार को श्री सानिध्य क्यू कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, धर्माधिकारी डॉ. वीरेंद्र हेगड़े।

भाजपा ने कर्नाटक सरकार से एचएमपीवी को हल्के में नहीं लेने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) को हल्के में नहीं ले, क्योंकि चीन में वायरस का प्रकोप बढ़ गया है। बेंगलूरु में दो बच्चों के एचएमपीवी से संक्रमित पाए जाने के मद्देनजर विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि प्रशासन को तुरंत सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन की उपलब्धता और 'आईसीयू बेड' की स्थिति की जांच करनी चाहिए।

अशोक ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव की लोगों से शांत रहने की अपील का यही उद्देश्य था कि लोग घबराएं नहीं। हालांकि, किसी भी वायरस को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, ऐसे समय में जब जनता को इसके बारे में कुछ भी पता नहीं हो।

भाजपा नेता ने रेखांकित किया कि एचएमपीवी का प्रकोप भी चीन में शुरू हुआ है और ऐसी खबरें सामने आईं कि बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि केंद्र ने पहले ही राज्यों को वायरस के प्रति आगाह कर दिया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग राज्य का विषय है, इसलिए राज्य सरकार को अस्पतालों में तत्काल व्यवस्था करनी चाहिए। यह वायरस फेफड़ों को निशाना बनाता है, इसलिए हमें अधिक 'आईसीयू' और ऑक्सीजन की आवश्यकता है।

अशोक ने कहा, कोविड-19 महामारी के दौरान ऑक्सीजन भंडार की व्यवस्था की गई थी, लेकिन अब हमें यह जांच करने की जरूरत है कि क्या वे किस स्थिति में हैं। सभी अस्पतालों में 'ऑक्सीजन युक्त बेड' बढ़ाए जाने चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि लोगों का कहना है कि एचएमपीवी बच्चों को प्रभावित कर रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और कमजोर फेफड़ों वाले लोगों को प्रभावित कर रहा है।शोक ने कहा, हमें पहले से ही तैयार रहना चाहिए, न कि तब जब कोई महामारी सामने आ जाए। अधिकारियों को यह बताया जाना चाहिए कि इससे कैसे निपटना है और अस्पतालों में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का 'ऑडिट' किया जाना चाहिए।

कर्नाटक कांग्रेस के नेता, एससी-एसटी मंत्री, विधायक रात्रिभोज में शामिल होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कांग्रेस के पक्ष में अनुसूचित जाति (एससी)-अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय के समर्थन को मजबूत करने के नाम पर समुदाय के मंत्रियों, विधायकों और नेताओं की एक बैठक बुधवार शाम को होने वाली है, लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धरमैया शायद इस बैठक का हिस्सा नहीं होंगे। इसी सप्ताह, मंत्रिमंडल में शामिल एससी समुदाय के सहयोगियों के साथ सिद्धरमैया ने रात्रिभोज में हिस्सा लिया था, जिसके बाद कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। इस साल मार्च के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच ये बैठकें हो रही हैं।

दो जनवरी को रात्रिभोज का आयोजन लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली के आवास पर किया गया था, जिसमें समाज कल्याण मंत्री एच सी महादेवप्पा, गृह मंत्री जी परमेश्वर और सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना शामिल हुए थे। बुधवार की बैठक परमेश्वर के नेतृत्व में आयोजित की जा रही है। परमेश्वर ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, कल कोई 'पार्टी' नहीं, बल्कि रात्रिभोज है। हम आने वाले दिनों में एससी/एसटी सम्मेलन आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। हमने विधानसभा चुनाव से पहले समर्थन मांगने के लिए चित्रदुर्ग में एससी/एसटी सम्मेलन आयोजित किया था। एच सी महादेवप्पा, सतीश जारकीहोली, के एच मुनियप्पा, शिवराज तंगदागी और मैंने (सभी अब मंत्री हैं) इसका नेतृत्व किया था। चुनाव और सत्ता में आने के बाद हमने कभी धन्यवाद सम्मेलन नहीं किया।

उन्होंने कहा, इस तरह के सम्मेलन के आयोजन के उद्देश्य से कल एससी/एसटी समुदायों के सभी विधायक, पूर्व विधायक, पार्टी पदाधिकारी एकत्रित हो रहे हैं। बैठक में हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि इसे कहां, कब आयोजित किया जाए और अन्य बातों पर चर्चा की जाएगी। बैठक शाम को है, इसलिए रात्रिभोज का आयोजन किया गया है।

परमेश्वर ने कहा कि एससी/एसटी सम्मेलन की योजना कांग्रेस द्वारा पार्टी के बैनर तले आयोजित किया जाएगा तथा अन्य लोग भी इससे जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, चुनाव से पहले चित्रदुर्ग में आयोजित बैठक में प्रस्ताव पारित किए गए थे। हम कल बैठक में इस पर चर्चा करेंगे। एससी/एसटी मंत्री, विधायक तथा नेता पहले इस पर चर्चा करेंगे तथा उसके बाद इसे अन्य मंत्रियों तथा मुख्यमंत्री के समक्ष रखेंगे।

इस तरह की बैठक को बाहर अलग तरह से पेश किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, सिर्फ इसलिए कि इसे अलग तरीकों से पेश किया जा रहा है, क्या हमें एकजुट नहीं रहना चाहिए? कोई भी इसे जिस तरह से चाहे व्याख्या कर सकता है। एससी/एसटी समुदाय हमेशा कांग्रेस पार्टी के साथ खड़ा रहा है। उन्हें हमारे साथ बने रहना चाहिए। जिला और तालुक पंचायत चुनाव होने वाले हैं। जब हम सत्ता में हैं तो हमें इन समुदायों की बात सुननी चाहिए। पिछले सप्ताह हुई बैठक के बारे में पता चला है कि चर्चा अहिंदा (अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के लिए कन्नड़ में संक्षिप्त नाम) समर्थन आधार को मजबूत करने के बारे में थी। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने भाग लिया था। 'अहिंदा' को सिद्धरमैया का मजबूत जनाधार माना जाता है।

राज्य बजट के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच इस बैठक से कई तरह की चर्चा शुरू हो गई। सिद्धरमैया का समर्थन करने वाले कांग्रेस के एक वर्ग का मानना है कि उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए और मुख्यमंत्री पद 'अहिंदा' के पास ही रहना चाहिए। दो जनवरी की बैठक के बारे में पूछे गए सवाल पर परमेश्वर ने कहा, नए साल के अवसर पर आंतरिक रूप से कुछ मामलों पर चर्चा करने के लिए हम रात्रिभोज पर मिले थे और मुख्यमंत्री को भी आमंत्रित किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा था कि अगर भोजन परोसा जाएगा तो वह भी शामिल होंगे...हमने भोजन किया। कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। मुझे लगता है कि इसे अलग तरीके से पेश करने की कोई जरूरत नहीं है। रात्रिभोज की यह बैठक ऐसे समय हुई जब मुख्यमंत्री पद के दावेदार माने जाने वाले उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार विदेश में थे।उन्होंने कहा, मैं बाहर था। मुझे जानकारी नहीं है। बेंगलूरु जाकर मैं जानने की कोशिश करूंगा। मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और कांग्रेस शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया।

ईडी ने बीबीएमपी के कुछ इंजीनियरों के दफ्तर पर छापेमारी की

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने मंगलवार को बृहत बेंगलूरु महानगर पालिके (बीबीएमपी) के कुछ इंजीनियर के कार्यालय पर छापे मारे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, ईडी के करीब सात अधिकारी सुबह 11 बजे बीबीएमपी मुख्यालय में दाखिल हुए और बोरवेल ड्रिलिंग के साथ-साथ वर्षा जल निकासी से संबंधित फाइलों की तलाशी ली। बीबीएमपी के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बीबीएमपी का एक बहुत वरिष्ठ इंजीनियर निशाने पर था। वे सार्वजनिक कार्यों से संबंधित फाइलें एकत्र कर रहे थे।

ईडी ने बीबीएमपी कार्यालयों पर छापे मारे

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका में कथित अनियमितताओं के खिलाफ व्यापक धन शोधन जांच के तहत मंगलवार को आधा दर्जन स्थानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संघीय एजेंसी ने छापेमारी के दौरान काफी संख्या में दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एकत्र किए। उन्होंने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत बीबीएमपी से जुड़े लगभग छह कार्यालयों की तलाशी ली गई।

कर्नाटक को नक्सल मुक्त बनाने और माओवादियों के आत्मसमर्पण के लिए प्रयास जारी : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि आगामी दिनों में माओवादियों से आत्मसमर्पण कराने की कोशिश की जा रही है क्योंकि सरकार राज्य को नक्सलियों से मुक्त बनाना चाहती है। परमेश्वर ने यह टिप्पणी ऐसे समय की है जब कुछ संदिग्ध माओवादियों ने मुख्यधारा में लौटने की इच्छा जताई है। परमेश्वर ने कहा, आत्मसमर्पण कराने की प्रक्रिया जारी है और हमें इसे अंतिम रूप देना है। विक्रम गौड़ा की घटना (मुठभेड़) के बाद, हमने उनसे (माओवादियों/नक्सलियों) आत्मसमर्पण करने का आह्वान किया है। अधिकारी विभिन्न स्तरों पर इस दिशा में काम कर रहे हैं और हमें लगता है कि यह उन्नत चरण में है। हम इस दिशा में काम करना जारी रखेंगे और यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो हम उनका आत्मसमर्पण सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए कुछ निश्चित प्रक्रियाएं और नियम हैं। एस एम कृष्णा के मुख्यमंत्री रहते हुए 2000-2001 में भी इसी तरह के प्रयास किए गए थे। इनकी समीक्षा की जाएगी क्योंकि आत्मसमर्पण करने वाले लोगों ने अपनी कुछ इच्छाएं बताई हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके (माओवादियों/नक्सलियों) आत्मसमर्पण किए जाने के बाद राज्य नक्सल मुक्त हो जाएगा, इसके जवाब में परमेश्वर ने कहा, मौजूदा स्थिति में अगर कोई बाहर से नहीं आता है तो यह संभव है। उनकी विभिन्न राज्यों में मौजूदगी है और वे आते-जाते रहते हैं। हमारा प्रयास राज्य को नक्सल मुक्त बनाने पर केंद्रित है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोमवार को बताया था कि नक्सली गतिविधियों में शामिल लोग जल्द ही राज्य के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर सकते हैं।

संबोधन

बेंगलूरु में वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने मंगलवार को विधान सौधा में वन विभाग और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा वन अपराधों को रोकने के लिए विकसित गरुदाक्षी वेबसाइट के शुभारंभ के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

कर्नाटक सरकार ने हत्या मामले में अभिनेता दर्शन, अन्य को जमानत के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया

नयी दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीप, पवित्रा गौड़ा और पांच अन्य को जमानत देने संबंधी उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर 2024 को अभिनेता दर्शन और अन्य को जमानत दी थी। दर्शन को 11 जून 2024 को अपने प्रशंसक रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इस वारदात को उसी वर्ष आठ जून को अंजाम दिया गया था, जब उसने गौड़ा को कथित तौर पर अश्लील संदेश भेजे थे। जमानत मिलने से पहले अभिनेता को बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा जेल में रखा गया था, लेकिन जब जेल के कुछ अन्य कैदियों के साथ आराम करते हुए उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई, तो उन्हें बल्लारी केंद्रीय कारागार में स्थानांतरित कर दिया गया। राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के जमानत प्रदान करने संबंधी निर्णय के खिलाफ छह जनवरी को शीर्ष अदालत का रुख किया। ऑटोरिक्शा चालक रेणुकास्वामी (33) का शव नौ जून 2024 को मिला था।

दर्शन के कहने पर हमला किए जाने के बाद कथित चोटों के कारण उसकी मौत हो गई थी। दर्शन ने सोशल मीडिया पर गौड़ा के बारे में अपमानजनक टिप्पणी पोस्ट करने को लेकर अपने प्रशंसकों से रेणुकास्वामी को परेशान करने और उनका अपहरण करने का कथित तौर पर आग्रह किया था। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 30 अक्टूबर 2024 को छह सप्ताह के लिए चिकित्सा आधार पर दर्शन को अंतरिम जमानत दी थी, लेकिन दिसंबर में उन्हें और अन्य को नियमित जमानत दे दी।

डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ राज्यपाल आर.एन. रवि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने लगातार तीन वर्षों तक राज्यपाल के अभिभाषण की अनदेखी की, जिससे विधानसभा की गरिमा धूमिल हुई।

भारत में एआई, क्लाउड क्षमता के विस्तार में तीन अरब डॉलर का निवेश करेगी माइक्रोसॉफ्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु।माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने मंगलवार को कहा कि कंपनी भारत में अपनी क्लाउड कंप्यूटिंग और कृत्रिम मेधा (एआई) क्षमताओं के विस्तार के लिए तीन अरब डॉलर (करीब 25,700 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। नडेला ने यहां प्रौद्योगिकी कंपनियों और स्टार्टअप इकाइयों के संस्थापकों तथा अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी 2030 तक भारत में एक करोड़ लोगों को एआई कौशल का प्रशिक्षण भी देगी।

हाल ही में कई प्रौद्योगिकी दिग्गजों ने भारत की यात्रा की है और अब इस सूची में नडेला का भी नाम जुड़ गया है। 1.4 अरब की आबादी वाला भारत कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र में काफी प्रगति कर रहा है।

चिप विनिर्माता एनवीडिया के प्रमुख जेनसेन हुआंग, एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज (एएमडी) की लिया सू और दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा के प्रमुख एआई वैज्ञानिक यान लेकून ने हाल ही में भारत की यात्रा की है। नडेला ने कहा कि भारत में तीन अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किसी भी देश में किया गया सबसे बड़ा विस्तार होगा। उन्होंने कहा, भारत में एआई की प्रसार दर बेहतरीन है। हालांकि, उन्होंने इस निवेश के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई।

माइक्रोसॉफ्ट एज़्योर ब्रांड नाम के तहत अपनी क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाएं प्रदान करती है। इसके 60 से अधिक एज़्योर क्षेत्र हैं जिनमें 300 से अधिक डेटा सेंटर शामिल हैं। नडेला ने कहा, भारत में हम अपने सभी क्षेत्रों को लेकर उत्साहित हैं। हमारे पास मध्य भारत, दक्षिण भारत, पश्चिम भारत और दक्षिण-मध्य भारत है। हमारे पास वे क्षमताएं भी हैं, जिन्हें हमने जियो के साथ मिलकर विकसित किया है। हम क्षेत्रीय स्तर पर काफी विस्तार कर रहे हैं। नडेला ने फरवरी, 2024 में आखिरी बार भारत की यात्रा की थी। उस समय उन्होंने घोषणा की थी कि कंपनी 2025 तक देश में 20 लाख लोगों को एआई कौशल का अवसर प्रदान करेगी, जो छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित होगा।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन ने सोमवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की। नडेला ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में कृत्रिम मेधा मिशन, भारत के बुनियादी ढांचे और उद्यमी महत्वाकांक्षाओं सहित कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मोदी के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, भारत को कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की हमारी प्रतिबद्धता पर काम करने को लेकर उत्साहित हूं। नडेला की इस पोस्ट पर प्रधानमंत्री ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह भारत में माइक्रोसॉफ्ट महत्वाकांक्षी विस्तार तथा निवेश योजनाओं के बारे में जानकर खुश हैं।

मनमोहन की आर्थिक नीतियों ने भारत के विकास की बुनियाद रखी : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा बनाई आर्थिक नीतियों ने भारत के विकास की बुनियाद रखी और उनके कार्यकाल के दौरान तमिल को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई द्वारा उनकी स्मृति में आयोजित की गई एक बैठक में सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए स्टालिन ने कहा कि आर्थिक संकट के दौर में दिवंगत प्रधानमंत्री ने वित्त मंत्री के तौर पर काम किया था। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने सिंह के बारे में कहा, मनमोहन सिंह लोगों के कल्याण के लिए कई योजनाएं लेकर आए। उनके द्वारा बनाई गई आर्थिक नीतियां भारत के विकास की बुनियाद बनीं। आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर 2024 को उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया।स्टालिन ने कहा, 2004 के चुनावों में जीत के बाद उनसे प्रधानमंत्री पद संभालने के लिए कहा गया। पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि सहित सभी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से इस पद को संभालने का आग्रह किया था लेकिन उन्होंने मना कर दिया और उदारता दिखाते हुए यह पद मनमोहन सिंह को दिया।

संक्रांति

बागलकोट में मंगलवार को बीवीवी बसवेश्वरा पीयू कॉलेज में छात्रों ने संक्रांति मनाई।

महिला सशक्तीकरण के लिए 'राजस्थान मरु उड़ान' पहल शुरू होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार महिलाओं की व्यावहारिक जरूरतों पर केंद्रित अनूठी महिला सशक्तीकरण पहल 'मरु उड़ान' नौ जनवरी से पूरे राज्य में शुरू करेगी। बाड़मेर की जिला कलेक्टर टीना डाबी ने गत वर्ष नवंबर में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक नई पहल 'मरु उड़ान' शुरू की थी। इसके असर एवं उपयोगिता को देखते हुए इसे 'राजस्थान मरु उड़ान' के नाम से पूरे राज्य में लागू किया जा रहा है। महिला अधिकारिता विभाग की आयुक्त नीतू राजेश्वर ने इस बारे में आदेश जारी किया है। इसके अनुसार, कार्यक्रम की उपयोगिता और प्रभाव को ध्यान में रखते हुए इसे नौ जनवरी से राजस्थान के सभी जिलों में 'राजस्थान मरु उड़ान' नाम से शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उद्योग, पुलिस, परिवहन, कृषि एवं बागवानी, शिक्षा सहित विभिन्न विभाग हिस्सा लेंगे। योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार, संबंधित कार्यक्रमों और गतिविधियों का व्यय बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बजट से किया जा सकेगा। इसके अलावा आवश्यकतानुसार कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत सहयोगी का निर्धारण करके वित्तीय सहायता ली जा सकेगी।

इस पहल के तहत मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, कौशल प्रशिक्षण, व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन, आत्मरक्षा, साइबर अपराध, ड्राइविंग कोर्स, बाजरा कुकीज प्रशिक्षण कार्यशाला एवं पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी कई गतिविधियां और सत्र आयोजित होंगे। स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए जाएंगे। ये गतिविधियां और कार्यक्रम जिला एवं पंचायत समिति स्तर पर आयोजित किए जाएंगे।

बाड़मेर जिले में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के तहत शुरू किए गए 'मरु उड़ान' कार्यक्रम के तहत सभी पंचायत मुख्यालयों पर 12 प्रखंड-स्तरीय और एक जिला-स्तरीय संवाद सत्र आयोजित किया गया। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और आत्मरक्षा के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बाड़मेर जिले में गत वर्ष 12 नवंबर से नवाचार के रूप में 'मरु उड़ान' कार्यक्रम चल रहा है।

जिला कलेक्टर डाबी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, इसमें 3000 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया और 1538 महिलाओं ने 5000 स्वास्थ्य जांच कराई। कार्यक्रम 12 नवंबर को शुरू हुआ और अंतिम ब्लॉक-स्तरीय संवाद सत्र 28 नवंबर को हुआ। जिला-स्तरीय कार्यक्रम 29 नवंबर को बाड़मेर के टाउन हॉल में संपन्न हुआ।

डाबी ने कहा कि कार्यक्रम का दीर्घकालिक लक्ष्य महिला सशक्तीकरण के लिए एक स्थायी प्राणली बनाना है। उन्होंने कहा, (आगामी) सत्रों में भाग लेने वाली महिलाओं को स्वास्थ्य, वित्तीय प्रबंधन और कौशल विकास के बारे में दूसरों को शिक्षित करने के वास्ते प्रशिक्षित और प्रेरित किया जाएगा, जिससे वे इस पहल के लिए ब्रांड एंबेसडर बन सकेंगी। उन्होंने कहा कि इस पहल को महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार, आत्मरक्षा और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। गत वर्ष नवंबर में हुए प्रखंड-स्तरीय कार्यक्रमों में महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं की महत्तम भागीदारी सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने कहा, कुल 50 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें से प्रत्येक कार्यक्रम में चार मुख्य सत्र थे। इन सत्रों में विषय विशेषज्ञों ने महिलाओं और लड़कियों के साथ मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, वित्तीय प्रबंधन, कौशल और व्यावसायिक प्रशिक्षण, सरकारी योजनाओं और करियर काउंसलिंग जैसे विषयों पर बातचीत की। सत्रों के लिए बड़े समूहों के बजाय 55-60 महिलाओं के छोटे समूह बनाए गए, ताकि खुली चर्चा को प्रोत्साहित किया जा सके।

खुद को आरएएस अधिकारी बताने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया

जैसलमेर। जैसलमेर में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है जो खुद को राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) अधिकारी बता रहा था। पुलिस ने उसे संदेह होने पर उस समय पकड़ लिया जब वह एक पुलिसकर्मी से उलझ रहा था। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार युवक हरजीत सिंह सोमवार रात को सोनार किले के पास 'मल्टी कलर लाइट' लगी कार में था। उन्होंने बताया कि युवक खुद को राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारी बताकर पुलिसकर्मी से उलझ रहा था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार युवक को जब पहचानपत्र दिखाने के लिए कहा तब उसने आरएएस का एक फर्जी पहचानपत्र दिखाया। उन्होंने बताया कि शक होने पर युवक को गाड़ी समेत कोतवाली थाने लाकर पड़ताल की गई।

चौधरी ने बताया कि युवक के पास से सभी कागज फर्जी पाए गए। उन्होंने बताया कि युवक के पास राजस्थान सरकार की मोटर गैराज विभाग की लाल पट्टी लगी कार भी मिली है, जिस पर उसने 'मल्टी कलर लाइट' (लालबत्ती) लगा रखी थी, जो केवल सरकारी अधिकारी या पुलिस, इमरजेंसी सेवा वाले ही लगा सकते हैं।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, कई जगहों पर बारिश होने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और अगले कुछ दिनों में कई जगहों पर बारिश होने का अनुमान जताया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार बीते चौबीस घंटे की अवधि में राज्य में निम्नतम न्यूनतम तापमान नागौर में 2.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, न्यूनतम तापमान सिरोही में 4.2 डिग्री सेल्सियस, सीकर के फतेहपुर में 4.4 डिग्री सेल्सियस, माउंट आबू में 5.2 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 5.9 डिग्री, वनस्थली (टोंक) में छह डिग्री, बीकानेर में 6.2 डिग्री, जोधपुर में 6.5 डिग्री, जैसलमेर में 6.6 डिग्री, जालौर में 6.7 डिग्री, पिलानी में 6.8 डिग्री, जयपुर और सीकर में सात डिग्री सेल्सियस रहा।

मंगलवार सुबह कुछ स्थानों पर घना कोहरा भी छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में कुछ दिन मौसम सामान्य तौर पर शुष्क रहने और अधिकांश भागों में न्यूनतम तथा अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री की गिरावट होने की संभावना है।

इसने बताया कि इस दौरान बीकानेर, जयपुर तथा भरतपुर संभाग के कुछ भागों में कहीं-कहीं घना कोहरा छा सकता है। वहीं एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 10-12 जनवरी के दौरान बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के क्षेत्रों में मेघ गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है।

भजनलाल की ओर से ख्वाजा साहब की दरगाह में चादर पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से मंगलवार को अजमेर में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पर मखमली चादर एवं अकीदत के फूल पेश किए गए। मुख्यमंत्री की तरफ से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में पवित्र मजार पर चादर पेश की। इस मौके प्रदेश की खुशहाली की दुआ की गई।

इसके बाद में मेवाती ने बुलंद दरबाजे से मुख्यमंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया। जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में अमन चैन शांति और भाईचारे का पैगाम हैं गरीब नवाज की पहचान।

उर्स पर उपमुख्यमंत्री डा प्रेम चंद बैरवा और केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की ओर से भी ख्वाजा साहब की दरगाह में चादर पेश की गई।

राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह उदयपुर में होगा आयोजित : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 76वें गणतंत्र दिवस का राज्यस्तरीय समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ भव्य और परंपरागत रूप से आयोजित किया जाएगा। इस बार यह समारोह झीलों की नगरी उदयपुर में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपस में समन्वय के साथ कार्य करें।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय आयोजन में राष्ट्रीयता की भावना को इंगित करते हुए कार्यक्रम शामिल करें। साथ ही, समारोह में अधिक से अधिक लोगो की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी जयपुर की सभी प्रमुख इमारतों, दर्शनीय स्थलों तथा सरकारी कार्यालयों के साथ ही, उदयपुर में भी सभी प्रमुख स्थानों पर आकर्षक सजावट की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों को निमंत्रण पत्र भेजने से लेकर उनके आवागमन, ठहरने और भोजन की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि राजभवन जयपुर तथा सहेलियों की बाड़ी उदयपुर में आयोजित होने वाले एटहोम कार्यक्रम के लिए भी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

शर्मा ने निर्देश दिये कि अधिकारी समारोह स्थल पर आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम, सुरक्षा, बैरिकेडिंग एवं यातायात व्यवस्था सहित सभी तैयारियां समय पर पूरी होना सुनिश्चित करें। अधिकारी समारोह के दौरान स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आदि से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने पुलिस, शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए अपनी-अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के भी निर्देश दिए। बैठक में शासन सचिव सामान्य प्रशासन जोगा राम ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस के आयोजन की तैयारियों की रूपरेखा रखी।

अफसोस कि विधूड़ी के बयान के बाद भाजपा ने नहीं व्यक्त की कोई प्रतिक्रिया : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता रमेश विधूड़ी द्वारा कांग्रेस की प्रियंका गांधी पर की गई टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा है कि अफसोस है कि बयान के बाद भाजपा नेताओं ने कोई तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की जो करनी चाहिए थी। गहलोत ने मंगलवार को मीडिया में यह बात कही। उन्होंने विधूड़ी के बयान को घटिया और निंदनीय बताते हुए कहा कि देश का माहौल इस कद्र विवादास्पद बन गया है और विधूड़ी का जो बयान सामने आया हैं उससे ज़्यादा घटिया बात क्या हो सकती है। महिलाओं का मान सम्मान सुनिश्चित रखा जाये, यह देश के सभी लोगों एवं राजनीतिक नेताओं की जिम्मेदारी होती है। उसके बीच में जिस प्रकार का बयान सामने आया हैं तो चाहे वो प्रियंका गांधी के बारे में हो चाहे आतिशीजी जो मुख्यमंत्री हैं उनके बारे में हो, इससे घटिया और निंदनीय बात क्या हो सकती है।

उन्होंने कहा कि अफसोस इस बात का है कि विधूड़ी के बयान के बाद में भाजपा के किसी नेता ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की हैं जो करनी चाहिए थी। इससे समझा जा सकता है कि देश किस दिशा में जा रहा है। बहुत ही गंभीर हालात हैं देश में, ध्रुवीकरण की राजनीति ऐसी हो गई है उसके कारण चुनाव तो जीते जा सकते हैं पर देश और प्रदेश में क्या स्थिति बनेगी आने वाले वक्त में, कैसे लोग प्यार मोहब्बत से रहेंगे, इस पर बहुत बड़ा प्रश्न चिह्न लग गया है। इसको समझने की जरुरत है।

राज्यपाल ने दिगंबर जैन समाज मंदिर में पूजा अर्चना कर सबके मंगल की कामना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को छत्रपति संभाजी नगर स्थित खंडेलवाल दिगंबर जैन समाज के पारसनाथ जैन मंदिर में पहुंचकर शांतिनाथ भगवान की पूजा अर्चना की। उन्होंने मंदिर में भगवान के दर्शन कर सभी के मंगल की कामना की। राज्यपाल का बाद में जैन समाज द्वारा भावभरा अभिनंदन और सम्मान किया गया। राज्यपाल ने सभी का आभार जताया और जैन समुदाय द्वारा समाज सेवा के लिए किए कार्यों की सराहना की।

राज्यपाल बागड़े ने छत्रपति संभाजी नगर में गोविंद भाई श्रॉफ संगीत महोत्सव में भी भाग लिया। सरस्वती भुवन शिक्षण संस्था द्वारा आयोजित इस समारोह में उन्होंने कलाकारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय संगीत अंतर के अन्वेषण से जुड़ा है।

हमारे यहां संगीत ईश्वर के निकट पहुंचने का सर्वोच्च साधन बताया गया है। उन्होंने बाद में समारोह में सांगीतिक प्रस्तुतियां का भी आस्वाद किया और कलाकारों की कला की सराहना की।

निर्माण स्थल पर लापरवाही पर होगी कार्यवाही : रश्मि शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा ने मंगलवार को वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अधिक से अधिक काम ऑनलाइन कर कार्य में पारदर्शिता लायी जाए। उन्होंने अधिकारियों को मण्डल की कार्यप्रणाली को अधिकाधिक ऑनलाइन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की आज के समय में ऑनलाइन सेवाएँ उपलब्ध करवाना अति आवश्यक है इनके आभाव में कार्यों में तेजी एवं पारदर्शिता लाना कठिन है ।

इस बैठक में भूमि बैंक, महत्वपूर्ण न्यायालयीन मामले, जलापूर्ति, सीवर लाइन, सड़कें, स्ट्रीट लाइट, डीएलपी कार्य, वृक्षारोपण अभियान और आगामी बुधवार नीलामी उत्सव में अधिशेष संपत्तियों को शामिल करने की तैयारियों जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर समीक्षा व गहन चिंतन किया गया ।

डॉ शर्मा ने कहा की निर्माण स्थल पर बचाव और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए । निर्माण स्थल पर निर्माण कार्य शुरू होने से पहले वहाँ बोर्ड लगाया जाए, बैरिकेडिंग कर रिफ्लेक्टर लगाये जाए जिस से की वहाँ किसी प्रकार का कोई हादसा ना हो। इसमें किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।

डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को भूमि बैंक को मजबूत करने के लिए उपलब्ध भूमि संसाधनों की पहचान और दस्तावेज़ीकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियंता फील्ड में जाकर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अविलंभ जमीनों के प्रस्ताव तैयार करें। पारदर्शिता बनाए रखने और अतिक्रमण को रोकने के लिए आवासन आयुक्त ने क्षेत्र में मंडल की सभी जमीनों पर बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए।

नए आपराधिक कानून शीघ्र न्याय प्रदान करने में निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश में लागू तीन नवीन कानूनों में सजा की तुलना में न्याय पर अधिक जोर दिया गया है। नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम हमारे संविधान की मूल भावना के अनुसार बनाए गए हैं। ये कानून आमजन को शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री के कहा कि नवीन आपराधिक विधि में आपराधिक मामले के महत्वपूर्ण चरणों के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है जिससे पीड़ित को त्वरित न्याय मिल रहा है। साथ ही पीड़ित को अपने साथ हुए अपराध की रिपोर्ट संबंधित क्षेत्र के थाने में दर्ज कराने की बाध्यता से मुक्ति मिली है।

शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर नवीन आपराधिक कानूनों के राजस्थान में क्रियान्वयन तथा प्रचार-प्रसार के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा राज्य सरकार प्रदेश में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा जनता को भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नए कानूनों को लागू करने में आवश्यक संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए कानूनों का प्रदेश में प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है और इनके प्रचार-प्रसार में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। आमजन को इनकी जानकारी देने के लिए राज्य सरकार कई कदम उठा रही है। राज्य की 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से नए कानूनों की जानकारी दी गई है। साथ ही, प्रदेश में महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के बारे में पुस्तकें तैयार करवाकर वितरित की गई है। राजस्थान पुलिस की राजकॉप एप्लीकेशन में भी नए कानूनों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

साइबर क्राइम रोकने की बने ठोस कार्य योजना : गोदारा

जयपुर। खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि आगामी समय में शादियों के सीजन को ध्यान में रखते हुए ज्वेलरी की गुणवत्ता की जांच के लिए अभियान शुरू करें। गोदारा ने मंगलवार को सचिवालय में राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद की बैठक में अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश के लोग अपनी आय को ज्वेलरी खरीदने में ज्यादा धन ख़र्च करते हैं।वो किसी भी प्रकार से ठगी के शिकार नहीं हो इसके लिए उन्हें जागरूक करना आवश्यक है। साथ ही, निर्देश दिए कि दुकानदार द्वारा उपभोक्ता को दिये गए बिल पर हॉल मार्क की जानकारी अवश्य लिखी होनी चाहिये। सर्राफा बाजार में हॉल मार्क सेंटर की जानकारी क्यू आर कोड के माध्यम से दी जाए। अभी तक राज्य में कुल 20 जिलों में हॉलमार्क सेंटर स्थापित किये जा चुके हैं।

गोदारा ने उपभोक्ताओं के अधिकारों के संवर्धन व संरक्षण के लिए एवं उपभोक्ताओं को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए इनका समयबद्ध रूप से निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए।

दुकानदारों द्वारा दिये जाने वाले बिल पर उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर अंकित किये जाए, सभी को यह जानकारी होनी चाहिये कि यदि आप उत्पाद से संतुष्ट नहीं है तो निर्धारित हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। मानव जीवन से जुड़ी दवाइयों की विश्वसनियता बनाये रखने के लिए एवं पनीर, दूध एवं मावा की रेंडमली जांच करने के निर्देश दिए। बीमा क्लेम व रियल एस्टेट के प्रकरणों का निस्तारण भी शीघ्रता से किया जाए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाकुम्भ में स्वास्थ्य विभाग का दस्ता लगातार भ्रमण कर पूछे लोगों का हाल : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ठंड के मौसम में आमजन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता इंतजाम रखने के निर्देश दिए और हिदायत दी कि महाकुम्भ में स्वास्थ्य विभाग का दस्ता लगातार भ्रमण करके लोगों का हाल पूछे और जरूरत हो तो उपचार भी मुहैया कराए।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में कहा, पूरे राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शीतलहर चल रही है। यह समय बुजुर्गों, बच्चों और गंभीर रोग से ग्रस्त लोगों की सुरक्षा के दृष्टिगत विशेष सतर्कता बरतने वाले है। उन्होंने कहा सर्दी, खांसी, श्वांस से जुड़े मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी संभावित है। ऐसे में स्वास्थ्य तंत्र को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों को अच्छी चिकित्सा सुविधा मिलनी चाहिए और जांच हो या दवाओं की उपलब्धता, सब कुछ चाक-चौबंद हो। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि आम आदमी को कोई परेशानी नहीं हो।

महाकुम्भ में तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि सभी सेक्टर में इलाज के पुख्ता इंतजाम हों और एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध रहे। योगी ने कहा सर्दी, खांसी, बुखार जैसी मौसमी समस्या हो अथवा कोई अन्य गंभीर बीमारी, सभी को समुचित चिकित्सकीय सहायता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बीमार लोगों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम महाकुंभ के सभी सेक्टर में सतत भ्रमण करे और लोगों का हाल-चाल ले, जरूरत हो तो उन्हें उचित चिकित्सकीय सहायता मुहैया करायी जाए।

अयोध्या में राममंदिर परिसर में कैमरा लगे धूप के चश्मे के साथ व्यक्ति पकड़ा गया

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राम जन्मभूमि परिसर में एक युवक को कैमरा लगा धूप का चश्मा पहनकर तस्वीरें खींचने के आरोप में पकड़ा गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी युवक ने मंदिर में सुरक्षा कारणों से तस्वीरें लेने और वीडियो बनाने पर लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन किया है। पुलिस ने बताया कि युवक की पहचान गुजरात के वडोदरा के जानी जयकुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि युवक ने राम जन्मभूमि पथ पर कई चौकियों को पार किया और सोमवार को मंदिर परिसर में सिंहद्वार के पास पहुंच गया। उन्होंने बताया कि उसे कैमरा लगे चश्मे से तस्वीरें लेते हुए देखा गया, जब कैमरे की लाइट चमकी तो सुरक्षाकर्मियों का ध्यान उस पर गया।

असम: कोयला खदान में फंसे श्रमिकों को बचाने में जुटे सेना के जवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के दीमा हसाओ जिले में कोयले की एक खदान में फंसे नौ मजदूरों को बचाने के लिए सेना के जवानों की मदद ली जा रही है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि आवश्यक उपकरणों से लैस गोताखोरों और 'सैपर्स' जैसे विशेषज्ञों का एक राहत कार्य बल श्रमिकों को बचाने के लिए उमरांगसो में घटनास्थल पर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना और असम राइफल्स का एक कार्य दल श्रमिकों को बचाने के कार्य में जुट गया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए सभी प्रयास नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बचाव कार्यों में मदद के लिए सेना को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, इस त्वरित प्रतिक्रिया के लिए बहुत-बहुत आभार। हम अपने श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

कोयला खदान में फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवान भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। एक अधिकारी ने बताया कि पानी को बाहर निकालने के लिए दो मशीनें भी लगाई गईं हैं। उमरांगसो में स्थित असम कोयला खदान में अचानक पानी भर जाने के कारण सोमवार से ही नौ मजदूर अंदर फंसे हुए हैं। खदान के कर्मचारियों के अनुसार, खदान के अंदर लगभग 15 श्रमिक थे, हालांकि अधिकारियों ने संख्या की पुष्टि नहीं की। मुख्यमंत्री ने फंसे हुए मजदूरों के नाम बताए, जिनमें- गंगा बहादुर श्रेथ, हुसैन अली, जाकिर हुसैन, सरपा बर्मन, मुस्तफा शेख, खुशी मोहन राय, संजीत सरकार, लिजान मगर और सरत गोयारी शामिल हैं।

ओडिशा सरकार ने पांच क्षेत्रों में 44,793 करोड़ रुपए के निवेश को दी मंजूरी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने पांच क्षेत्रों में 44,793 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिससे रोजगार के 23,000 अवसर उत्पन्न होंगे। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई उच्च स्तरीय मंजूरी प्राधिकरण (एचएलसीए) की बैठक में ये मंजूरियां दी गईं। सरकार ने रिफाइनरी तथा पेट्रो रसायन, हरित ऊर्जा उपकरण, जैव प्रौद्योगिकी, इस्पात व रसायन जैसे क्षेत्रों में परियोजनाओं को मंजूरी दी है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इन निवेशों से 23,005 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे ओडिशा की औद्योगिक तथा आर्थिक नींव मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्कर्ष ओडिशा 2025 से पहले इन बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी मिलना ''राज्य की बढ़ती औद्योगिक ताकत का स्पष्ट संकेत है। माझी ने कहा, इन निवेशों से हजारों नौकरियों सृजित होंगी और ओडिशा के लोगों को प्रत्यक्ष तौर पर फायदा होगा। हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि ओडिशा एक शीर्ष निवेश गंतव्य बना रहे और राज्य के लोगों के लिए प्रगति व समृद्धि को बढ़ावा मिले। स्वीकृत परियोजनाएं जाजपुर, ढेंकनाल और कटक में फैली हुई हैं जो ओडिशा के औद्योगिक आधार को मजबूत करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, इन परियोजनाओं के साथ ओडिशा औद्योगिक वृद्धि के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है और भारत के आर्थिक विकास में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में खुद को स्थापित कर रहा है।

आप और भाजपा ने की वादाखिलाफी, दिल्लीवासी करेंगे हम पर भरोसा: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उनके शासित राज्यों में जनता के साथ वादाखिलाफी करने का आरोप लगाया और दावा किया कि दिल्लीवासी कई समस्याओं को लेकर परेशान हैं, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 'शीशमहल के लाल' बनकर रह गए हैं।

कांग्रेस नेता और झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में संवाददाताओं से यह भी कहा कि कांग्रेस जुमले की नहीं, जरूरतमंदों की पार्टी है। उन्होंने दिल्ली में उनकी पार्टी की ओर से घोषित 'प्यारी दीदी योजना' का उल्लेख किया। इसके तहत कांग्रेस ने वादा किया है कि दिल्ली में उसकी सरकार बनने पर राष्ट्रीय राजधानी की हर महिला को 2500 रुपए हर महीने दिए जाएंगे।

दीपिका ने कहा, जहां भी कांग्रेस की सरकार है, चाहे हिमाचल, कर्नाटक हो या फिर गठबंधन में हो, वहां महिलाओं को केंद्र में रखते हुए उनके सशक्तिकरण के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश को ''लाडली'' शब्द से योजना देने वाली पहली मुख्यमंत्री शीला दीक्षित थीं।

गुजरात के कच्छ जिले में 33 घंटे बाद बोरवेल से निकाली गई लड़की की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुज (गुजरात)/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में 540 फुट गहरे बोरवेल में गिरी 18 वर्षीय लड़की को 33 घंटे से अधिक समय बाद मंगलवार को निकाल लिया गया। इसके बाद लड़की को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि लड़की सोमवार सुबह करीब साढ़े छह बजे जिले के भुज तालुका के कंदेराई गांव में बोरवेल में गिर गई थी। लड़की 540 फुट गहरे बोरवेल में 490 फुट की गहराई पर फंसी हुई थी। मामले का पता चलने के बाद विभिन्न एजेंसियों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बोरवेल का व्यास एक फुट है और चूंकि लड़की बड़ी थी और वह उसमें काफी गहराई में फंसी हुई थी, इसलिए बचाव कार्य में मुश्किल हो रहा था। लड़की को शाम चार बजे बोरवेल से निकाला गया। भुज के सहायक कलेक्टर और एसडीएम ए बी जादव ने कहा, दुर्भाग्य से, लड़की बच नहीं पाई और भुज के जी के जनरल अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि लड़की को ''हुक तकनीक'' का इस्तेमाल करके बाहर निकाला गया। राज्य जल आपूर्ति एवं सीवेज बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि लड़की को एक अस्थायी उपकरण की मदद से बचाया गया। उन्होंने कहा, हमने स्थानीय ड्रिलर की मदद से एक अस्थायी उपकरण तैयार किया। बचाव अभियान में कई एजेंसियां शामिल थीं। एनडीआरएफ और बीएसएफ की टीम भुज नगरपालिका के अग्निशमन विभाग के कर्मियों, स्थानीय आपातकालीन प्रतिक्रिया दल, पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के साथ बचाव अभियान में लगी हुई थीं।

मणिपुर : ग्रामीणों ने प्रशासन से केंद्रीय बलों को स्थानांतरित न करने का आग्रह किया

इंफाल/भाषा। विभिन्न गांवों के लोगों ने अधिकारियों से उयोक पहाड़ियों से केंद्रीय बलों को स्थानांतरित न करने का आग्रह करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया है, जहां हाल ही में उग्रवादियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच झड़पें हुई थीं। अधिकारियों ने बताया कि सैबोल के करीब थामनापोकपी, सनसाबी और याइंगांगपोकपी के ग्रामीण सोमवार शाम से उयोक पहाड़ियों की तलहटी में धरने पर बैठे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीणों को डर है कि हाल ही में इंफाल पूर्वी जिले की सीमा पर स्थित सैबोल गांव में तैनात बीएसएफ और सीआरपीएफ जैसे केंद्रीय बलों के सदस्यों को दबाव में हटाया जा सकता है। कांगपोकपी जिले के पुलिस अधीक्षक तीन जनवरी की शाम को तब घायल हो गए थे, जब सैबोल से केंद्रीय बल को हटाने में अधिकारी की कथित विफलता को लेकर भीड़ ने उनके कार्यालय पर हमला किया था। कुकी संगठन उस गांव में 31 दिसंबर को सुरक्षा बलों द्वारा महिलाओं पर कथित लाठीचार्ज किए जाने का विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों में से एक, मंगी लीमा ने कहा, हमने अपुष्ट खबर सुनी है कि उयोक पहाड़ियों पर तैनात केंद्रीय बलों को हटाया जाएगा। इसलिए, हम सीआरपीएफ और बीएसएफ से कुकी समूहों के दबाव में न आने की अपील करने के लिए यहां डेरा डाले हुए हैं।

मुझे गाली दें या दाऊद कहें, लेकिन दिल्ली के किसानों की मदद करें: चौहान ने आतिशी से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी से राष्ट्रीय राजधानी में केंद्र सरकार की किसान कल्याण योजनाओं को लागू करने का अनुरोध करते हुए कहा कि अगर इससे दिल्ली के कृषक समुदाय को लाभ होता है तो वह व्यक्तिगत हमलों का सामना करने के लिए तैयार हैं।

चौहान ने यहां दिल्ली के किसानों के एक समूह के साथ बैठक में कहा, मुझे गाली दीजिए या दाऊद कहिए, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन भारत सरकार की किसान कल्याण योजनाओं को दिल्ली के किसानों के लिए लागू कीजिए, उन्हें योजनाओं का लाभ दीजिए। उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री से तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करने और केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए केंद्र से धनराशि लेने का आग्रह किया। ऐसा प्रतीत होता है कि आम आदमी पार्टी (आप) नेतृत्व द्वारा पूर्व की आलोचनाओं के जवाब में चौहान ने कुख्यात गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम का हवाला दिया। उन्होंने कहा, आप मुझे गाली दें तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन योजनाओं का लाभ किसानों को दें...किसी को गाली देना मेरे स्वभाव में नहीं है। मैं आपसे हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं कि योजनाओं को लागू करें।

मंत्री ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए बनाई गई केंद्र की कई योजनाओं को दिल्ली में कार्यान्वयन में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने हाल में दिल्ली की मुख्यमंत्री को इस मुद्दे पर पत्र लिखा था। चौहान ने कहा, मैं बड़ी पीड़ा के साथ कह रहा हूं कि दिल्ली के किसानों को केंद्र सरकार की कई योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। किसानों को केंद्र द्वारा दी जा रही सब्सिडी का लाभ नहीं मिल रहा है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली का टेस्ट में भविष्य चयनकर्ताओं पर निर्भर : सुनील गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पिछले छह महीनों में टीम के खराब प्रदर्शन की गहन समीक्षा करने की वकालत करते हुए कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट में भविष्य अब पूरी तरह से चयनकर्ताओं के हाथ में है।

गावस्कर ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर चल रही बहस के संदर्भ में कहा, वे कितने समय तक टीम में रहेंगे यह वास्तव में चयनकर्ताओं पर निर्भर है। उन्होंने कहा, अब जबकि भारत डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा है तो उन कारणों पर विचार करना उचित होगा कि ऐसा क्यों हुआ।

डब्ल्यूटीसी की शुरुआत के बाद यह पहली बार है जबकि भारत इसके फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा। वह रविवार को समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर शृंखला में ऑस्ट्रेलिया से 1-3 से हार के बाद फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया।

भारत को इस हार के कारण पिछले एक दशक में पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से हाथ धोना पड़ा। उसकी पराजय का मुख्य कारण बल्लेबाजों का खराब प्रदर्शन रहा। रोहित और कोहली भारतीय बल्लेबाजी की कमजोर कड़ी साबित हुए। कोहली ने नौ पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए, जबकि रोहित ने पांच पारियों में केवल 31 रन बनाए।

गावस्कर ने टीम के बल्लेबाजों की बार-बार विफलता की ओर इशारा करते हुए कहा, यह स्पष्ट है कि पिछले छह महीनों में हमारी बल्लेबाजी विफल रही और यही मुख्य कारण था कि हम उन मैच में भी हार गए जो हमें जीतने चाहिए थे।

इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, इसलिए अगर इंग्लैंड में जून में शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी के नए चक्र के लिए टीम में बदलाव की जरूरत है तो उम्मीद है कि चयनकर्ता इस बात पर गौर करेंगे कि 2027 में फाइनल तक कौन खिलाड़ी टीम में रहेगा और उसके अनुसार चयन करेंगे।

गावस्कर ने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया लेकिन कहा कि घरेलू क्रिकेट में कुछ खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और अब उन्हें उचित मौका देने की जिम्मेदारी चयनकर्ताओं पर है। उन्होंने कहा, जब तक उन्हें मौका नहीं दिया जाएगा तो हमें कैसे पता चलेगा कि रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे?''

गावस्कर ने नितीश कुमार रेड्डी जैसी प्रतिभा को सामने लाने के लिए चयन समिति की भी सराहना की। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के जिन तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए उनमें रेड्डी भी शामिल थे। शतक लगाने वाले अन्य बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कोहली थे। उन्होंने कहा, नितीश कुमार रेड्डी में क्षमता देखने और उसे टेस्ट टीम में चुनने के लिए अजीत अगरकर और उनकी टीम को बधाई।

जसप्रीत बुमराह आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित

दुबई/भाषा। स्टार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को हाल में संपन्न बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के कारण मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के दिसंबर 2024 महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया।

बुमराह ने दिसंबर में तीन टेस्ट में 14.22 के औसत से 22 विकेट चटकाए। गेंदबाज ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पांच टेस्ट में कुल 32 विकेट लिए। बुमराह पीठ में जकड़न के कारण सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में मेजबान टीम की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। बुमराह ने ब्रिसबेन और मेलबर्न में नौ-नौ विकेट चटकाए थे जिससे भारत मेजबान टीम को कड़ी चुनौती देने में सफल रहा था। बुमराह को महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेन पेटरसन से कड़ी चुनौती मिलेगी। कमिंस की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ 3-1 से शृंखला जीती थी। कमिंस ने दिसंबर में भारत के खिलाफ तीन टेस्ट में 17.64 की औसत से 17 विकेट हासिल किए।

सपा नेता के मैरिज हाल पर चला बुलडोजर

कन्नौज (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला कोषाध्यक्ष के बालापीर मोहल्ले में बने अवैध मैरिज हाल को मंगलवार को बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर रामकेश के साथ पालिका कर्मियों सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। उप जिलाधिकारी रामकेश के अनुसार समाजवादी पार्टी नेता ने पार्टी की सरकार के दौरान सड़क पर अवैध कब्जा करके मैरिज हाल का निर्माण कराया था।

उप जिलाधिकारी रामकेश भारी पुलिस बल के साथ सुबह पहुँच गए और जेसीबी मशीन से अवैध निर्माण ढहाना शुरू करवा दिया। उप जिलाधिकारी ने बताया कि लोक निर्माण विभाग और नगर पालिका की ओर से सपा नेता को नोटिस दिए गए लेकिन उन्होंने अवैध कब्जा नहीं हटाया। अवैध निर्माण को लेकर पुरातत्व विभाग एवं मास्टर प्लान कार्यालय ने भी कई बार नोटिस भेजा। 14 नवम्बर 2024 को प्रशासन की ओर से सपा नेता कैश खां को ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी किया गया था।

पटना में मुठभेड़ में दो अपराधी मारे गए, एक पुलिसकर्मी घायल

पटना/भाषा। पटना शहर के फुलवारीशरीफ इलाके में मुठभेड़ में दो अपराधी मारे गए और एक पुलिसकर्मी घायल हो गया पटना के नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) शरत आर एस ने पीटीआई-भाषा को मंगलवार को बताया कि यह मुठभेड़ कल रात फुलवारीशरीफ थाने के अंतर्गत हिंदुनी इलाके में हुई।

पुलिस ने अपराधियों के एक साथी को भी गिरफ्तार किया है। मृतकों की पहचान विवेक और लाल दहिन के रूप में हुई है, जो नालंदा जिले के निवासी हैं। शरत आर एस ने कहा, आसूचना संकलन के क्रम में बीती रात्रि फुलावारीशरीफ थाना क्षेत्र के हिन्दुनी गांव में किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की नीयत से लूट, सेंधमारी, चोरी इत्यादि घटनाओं में संलिप्त कुछ अपराधियों के इकट्ठा होने की सूचना मिली थी। उक्त सूचना पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संयुक्त थाना की टीम ने छापेमारी की। पुलिस को देखकर उपस्थित अपराधियों द्वारा पुलिस पर गोलीबारी की गई, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। उन्होंने कहा कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो अपराधी जख्मी हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के क्रम में दोनों ने दम तोड़ दिया।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मृत अपराधियों के खिलाफ हत्या एवं अन्य कई गंभीर आरोपों में मामले दर्ज थे।। कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि घटनास्थल से दो पिस्टल और एक पिक-अप वाहन को जब्त किया गया है। एफएसएल टीम साक्ष्यों का संकलन कर रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराधियों के अन्य फरार साथियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

'एलियन' के ताने से अर्जुन पुरस्कार तक का सफर: तुलसीमति ने पिता को समर्पित किया पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जन्मजात विकृति और गहरे रंग के कारण सहपाठियों से 'एलियन' का ताना सुनने वाली भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी तुलसीमति मुरुगेसन ने पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अर्जुन पुरस्कारों की सूची में जगह बनाकर बचपन की अपनी कड़वीं यादों को पीछे छोड़ दिया है।

इस 22 साल की लड़की की कहानी अथक दृढ़ता की है जो दिहाड़ी मजदूरी करने वाले अपने पिता डी. मुरुगेसन के अटूट समर्थन से प्रेरित है। उनके पिता ने समाज के विरोध के बावजूद अपनी बेटियों (तुलसीमति और किरुट्टीघा) को खेलों में आगे बढ़ना जारी रखा। तुलसीमति ने कहा, उन्होंने हमें कभी भी अपने संघर्षों को देखने नहीं दिया। वह नहीं चाहते थे कि हमें पता चले कि उन्होंने हमारे सपनों को साकार करने के लिए कितनी मेहनत की या कितना बलिदान दिया। यही कारण है कि हर पदक, हर पुरस्कार जो मैं जीतती हूं, वह उनका है। उन्होंने कहा, रिश्तेदार और पड़ोसी मेरे पिता से कहते थे कि हमें खेल के मैदान पर क्यों ले जा रहे हैं। वे लड़कियां हैं और वे शादी कर के चली जायेंगी। डी.मुरुगेसन पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने अपनी बेटियों को हॉकी, टेनिस, फुटबॉल, वॉलीबॉल खेलने के लिए प्रेरित किया। तुलसीमति और उनकी बहन को हालांकि बैडमिंटन सबसे चुनौतीपूर्ण लगा इसलिए उनके पिता ने इस खेल को चुनने का फैसला किया। उन्होंने कहा, जब हमने कहा कि यह कठिन है, तो मेरे पिता ने कहा कि 'यही खेल तुम्हारा पेशा होगा'। और फिर उस फैसले ने हमारी जिंदगी बदल दी। परिवार की मुश्किल वित्तीय स्थिति के बीच भी मुरुगेसन ने अपनी बेटियों के सपने को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस दौरान छोटे टूर्नामेंटों से मिलने वाली इनामी राशियों का इस्तेमाल उन्होंने खेल से जुड़े उपकरण खरीदने में किया। अपने बचपन के बारे में पूछे जाने पर तुलसीमति ने कहा, मैंने कई मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया है। मेरे सहपाठी मेरी दिव्यांगता के कारण मुझे चिढाते थे। वे मेरे रंग, मेरे हाथ और मेरी पृष्ठभूमि के कारण मुझे 'एलियन' कहते थे। मैंने एक बार जिला स्तर के एक छोटे टूर्नामेंट में भाग लिया था और जब जीत कर लौटी तो कुछ सहपाठी मुझ से बात करने आए। उसी समय मैंने अपनी कड़वी यादों को पीछे छोड़ने के लिए जीवन में कुछ बड़ा हासिल करना के बारे में सोचा।

सुविचार

हरे बांस को आसानी से मोड़ा जा सकता है, किन्तु पके हुए बांस को जब ताकत लगाकर मोड़ा जाता है तो वो टूट जाता है। एक युवा हृदय को भगवान की तरफ मोड़ना आसान है, किन्तु एक वृद्ध व्यक्ति के अनाड़ी हृदय को भगवान की ओर लाने पर वो भाग-भाग जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घबराएं नहीं, जागरूक रहें

चीन में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) संक्रमण के मामले सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे विभिन्न कयासों से लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का बयान कि 'एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है और देश में किसी भी सामान्य श्वसन वायरस रोगजनक में कोई वृद्धि नहीं देखी गई है', निश्चित रूप से भरोसा मजबूत करेगा। भारत के पास कोरोना महामारी से लड़ने और जीतने का अनुभव भी है। वहीं, इस बार सरकार ज्यादा सतर्क है और चीन की स्थिति पर उसकी कड़ी नजर है। अन्य देशों की सरकारें भी चीन के हालात की अनदेखी नहीं करेंगी। खुद चीन बहुत सतर्क है। वहां से आ रहीं खबरों में अभी तक ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है, जिससे किसी बड़े खतरे की आशंकाओं को बल मिले। हालांकि चीन में मीडिया पर काफी प्रतिबंध हैं। इसके बावजूद, जब कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने लगे थे तो चीनी सरकार ज्यादा समय तक खबर को दबाकर नहीं रख सकी थी। चीन में कई भारतीय नागरिक पढ़ाई और रोजगार के मकसद से रहते हैं। जब साल 2020 की शुरुआत में वहां कोरोना संक्रमण के कारण हालात बिगड़ने लगे थे तो उन लोगों ने भारत में रहने वाले अपने परिजन को हकीकत बयान कर दी थी। इस बार तस्वीर अलग है। चीन में वर्षों से रहने वाले ये लोग बताते हैं कि जब सर्दियों का मौसम आता है तो वहां श्वसन संबंधी कुछ रोग उभरते ही हैं। चीन आबादी (जिसमें अब बुजुर्गों की काफी तादाद है) और क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा देश है। उसके कुछ इलाकों में तापमान बहुत नीचे चला जाता है। हर साल सर्दियों में वहां स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिलती ही हैं। जैसे-जैसे गर्मियों का मौसम आता है, ये रोग दूर हो जाते हैं। इसलिए सोशल मीडिया पर वायरल कथित दावों और अपुष्ट वीडियो के बजाय सिर्फ स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय पर विश्वास करना चाहिए।

भारत में भी सर्दियों के मौसम में लोगों को खांसी-जुकाम जैसी स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। जिनकी रोगप्रतिरोधक क्षमता अच्छी होती है, वे शीघ्र स्वस्थ हो जाते हैं। कई लोग चिकित्सा सहायता लेते हैं। वे हफ्तेभर में ठीक हो जाते हैं। अगर लोग प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली अपनाएं, नियमित रूप से योग-प्राणायाम आदि करें, स्वच्छता का ध्यान रखें, भीड़भाड़ वाले इलाकों में अनावश्यक न जाएं, सात्विक भोजन करें, (चिकित्सक की सलाह पर) उन चीजों का सेवन करें, जिनसे रोगप्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो, सर्दी के पहनावे का ध्यान रखें तो स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं से सुरक्षित रह सकते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव के इन शब्दों पर ध्यान देना चाहिए कि 'लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि एचएमपीवी साल 2001 से ही विश्व स्तर पर मौजूद है।' दूसरी ओर कुछ लोगों द्वारा 'लाइक और शेयर' के लालच में सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत सामग्री पोस्ट करने का सिलसिला नहीं रुका है। इन प्लेटफॉर्म को तो ऐसी सामग्री को लेकर बहुत सावधान रहना चाहिए, क्योंकि इससे समाज पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। अपुष्ट और आधारहीन सामग्री तेजी से प्रसारित होती है। इसे लोग प्रामाणिकता की जांच किए बिना एक ग्रुप से दूसरे ग्रुप में तेजी से शेयर कर देते हैं। जब तक हकीकत सामने आती है, फर्जी सामग्री का 'काम' पूरा हो जाता है। खासकर उद्योग जगत पर इसका बहुत नकारात्मक प्रभाव होता है। पूर्व में कई कंपनियों को इस वजह से भारी घाटा हो चुका है, क्योंकि उनके बारे में सोशल मीडिया पर फर्जी दावे किए गए थे। इसके मद्देनज़र जागरूकता पैदा करने वाली सामग्री, जैसे- 'साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोना, गंदे हाथों से आंख, नाक या मुंह को नहीं छूना, रोग के लक्षण वाले लोगों के साथ निकट संपर्क से बचना और खांसते एवं छींकते समय मुंह एवं नाक को ढकना', को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। किसी वायरस के संक्रमण के दौरान सही जानकारी का प्रसार करना भी उसकी रोकथाम में मददगार होता है।

ट्वीटर टॉक

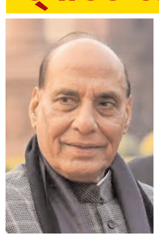

हमारे देश की सेनाओं में एक बात कही जाती है कि अंतिम साँस और अंतिम गोली तक लड़ना। स्व. ओम प्रकाश शर्मा जी किसी सैनिक से कम नहीं थे क्योंकि उन्होंने भी शिक्षकों के लिए अंतिम साँस और अंतिम दिन तक संघर्ष किया।

-राजनाथ सिंह

पेपर लीक रोकने में विफल रही भाजपा सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए झूठ का सहारा लेकर अनुपयुक्त बयानबाजी कर रही है। सरकार के मंत्री नकल से इनकार कर रहे हैं जबकि ऋड्ड जांच में 4 लैब में नकल की पुष्टि हुई है, जबकि 2 लैब में जांच जारी है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हुए नक्सली हमले में जवानों की शहादत का समाचार हृदयविदारक है। मैं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

उच्च पद और सामाजिक गरिमा

एक महिला रोजाना ट्रेन से अमेरिका के फिलाडेल्फिया से न्यूयॉर्क अपने कार्यालय जाती थी। एक दिन उसे देर हो गई और स्टेशन पर पहुंची तो जो डिब्बा सामने दिखा, उसमें ही चढ़ गई। डिब्बा लगभग खाली था। उसमें उसके अलावा केवल एक आदमी और था। वह बड़ी खुश हुई कि आज उसे भारी भीड़ के साथ सफर नहीं करना पड़ेगा। प्रसन्न भाव से महिला उस आदमी के सामने वाली सीट पर जाकर बैठ गई। कुछ देर बाद उस आदमी ने सिगार जलाकर पीना शुरू कर किया। एक सिगार खत्म होने पर वह दूसरा शुरू कर देता। कुछ देर तो महिला ने यह सब सहन किया, किन्तु फिर वह भड़क उठी और बोली, 'शायद तुम्हें पता नहीं कि आगे धूम्रपान करने का एक डिब्बा भी है। यदि तुम्हें सिगार पीना है तो वहां क्यों नहीं चले जाते? तुम किसी भी डिब्बे में बैठकर धूम्रपान नहीं कर सकते।' उस व्यक्ति ने बिना कुछ कहे सिगार बुझाकर पुस्तक पढ़ना शुरू कर दिया। थोड़ी देर बाद उस डिब्बे में टीटी आया और वहां महिला को देखकर चकित रह गया। वह धीरे से बोला, 'मैडम, आपको इस डिब्बे में नहीं बैठना चाहिए था। यह जनरल ग्रांट का निजी डिब्बा है।

सामयिक

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस में कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवा नहीं है। उपचार का मुख्य उद्देश्य लक्षणों का प्रबंधन करना और जटिलताओं को रोकना है। ठीक होने और ताकत बनाए रखने के लिए आवश्यक है। एसिटामिनोफेन या इबुप्रोफेन जैसी दवाएँ बुखार और शरीर के दर्द को नियंत्रित कर सकती हैं। गंभीर मामलों में, पूरक ऑक्सीजन या मैकेनिकल वेंटिलेशन की आवश्यकता हो सकती है। निमोनिया जैसी जटिलताओं वाले रोगियों को अस्पताल में बारीकी से निगरानी की आवश्यकता हो सकती है।

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस : चिंता में डूबी दुनिया

प्रियंका सौरभ
मो. 7015375570

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस, न्यूमोविरिडे परिवार का हिस्सा है, यह एक श्वसन वायरस है जो हल्की सर्दी से लेकर निमोनिया और ब्रोंकियोलाइटिस जैसे गंभीर फेफड़ों के संक्रमण तक की बीमारियों का कारण बनता है। हालाँकि फ्लू या रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल वायरस की तुलना में कम पहचाना जाने वाला, ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस दुनिया भर में श्वसन सम्बंधी बीमारियों का एक महत्त्वपूर्ण कारण है, खासकर सर्दियों और वसंत के दौरान। यह वायरस विशेष रूप से कमज़ोर आबादी जैसे कि छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा करता है। यह वायरस उनके लिए बड़ी मुश्किलें पैदा कर सकता है, इसलिए जागरूकता बढ़ाना और निवारक क़दम उठाना महत्त्वपूर्ण है। शिशु और छोटे बच्चे विशेष रूप से ब्रोंकियोलाइटिस और निमोनिया जैसी गंभीर श्वसन स्थितियों के प्रति संवेदनशील होते हैं।

बड़े वयस्क 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति, साथ ही अस्थमा या सीओपीडी जैसी पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों में जटिलताएँ होने की संभावना अधिक होती है। गर्भावस्था के दौरान एचएमपीवी के कारण श्वसन सम्बंधी समस्याएँ हो सकती हैं, जो माँ और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल सकती हैं। जिन लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमज़ोर होती है, चाहे वे किसी चिकित्सा स्थिति या कीमोथेरेपी जैसे उपचार के कारण हों, उनमें गंभीर लक्षण होने का जोखिम अधिक होता है। चीन में एचएमपीवी के हाल ही में हुए प्रकोप ने इस वायरस की संभावित गंभीरता को उजागर किया है, खासकर कमज़ोर समूहों में। ज़्यादातर संक्रमण 14 साल से कम उम्र के बच्चों में हुआ, जिनमें से कई मामलों में उनकी गंभीरता के कारण अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता पड़ी। लक्षणों में लगातार खांसी और बुखार से लेकर ब्रोंकियोलाइटिस और निमोनिया जैसी अधिक गंभीर स्थितियाँ शामिल हैं। अन्य श्वसन सम्बंधी बीमारियों से इसकी समानता निदान और उपचार को जटिल बनाती है।

इसके प्रसार को रोकने के लिए, चीन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने हाथ धोने, मास्क पहनने और समय पर जाँच जैसे निवारक उपायों पर ज़ोर दिया हैं। वयस्कों में एचएमपीवी के लक्षण अक्सर सामान्य सर्दी या फ्लू जैसे होते हैं। इनमें,लगातार खांसी, अक्सर बलगम उत्पादन शामिल हैं। नाक बंद होना या नाक बहना, बुखार, आमतौर पर हल्का से मध्यम थकान और शरीर में सामान्य दर्द, गले में खराश, गंभीर मामलों में सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। बच्चों में गंभीर लक्षण होने की संभावना अधिक होती है. ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस अत्यधिक संक्रामक है और विभिन्न माध्यमों से फैलता है। वायरस तब फैल सकता है जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता, छींकता या बात करता है, जिससे श्वसन की बूंदें हवा में फैलती हैं। वायरस संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक संपर्क के माध्यम से फैल सकता है, खासकर अगर कोई उनके चेहरे, आंखों या मुंह को छूता है। वायरस सतहों पर बना रह सकता है और दूषित वस्तुओं जैसे कि दरवाजे की कुंडी या मोबाइल डिवाइस को छूने से संक्रमण का ख़तरा बढ़ जाता है। छोटे श्वसन कण हवा में निलंबित रह सकते हैं, खासकर भीड़भाड़ वाली या खराब हवादार जगहों पर।

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के लक्षण अन्य श्वसन संक्रमणों से मिलते-जुलते हैं, जिससे सटीक निदान विशिष्ट प्रयोगशाला परीक्षणों पर निर्भर करता है। यह आणविक परीक्षण उच्च सटीकता के साथ वायरस की आनुवंशिक सामग्री का पता लगाता है और इसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के निदान के लिए स्वर्ण मानक माना जाता है। रैपिड एंटीजन टेस्ट जल्दी परिणाम देते हैं लेकिन पीसीआर टेस्ट की तुलना में कम संवेदनशील होते हैं। अधिकांश लोग बिना किसी जटिलता के लगभग 7 से 10 दिनों में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस से ठीक हो जाते हैं। हालाँकि, कुछ समूहों को गंभीर जटिलताओं का अधिक जोखिम होता है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस वायरल निमोनिया का कारण बन सकता है, जिसके गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने और गहन देखभाल की आवश्यकता होती है। शिशुओं और छोटे बच्चों को अक्सर वायुमार्ग में सूजन और रुकावट का अनुभव होता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई और घरघराहट होती है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस अस्थमा या क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जैसी मौजूदा श्वसन स्थितियों को खराब कर सकता है। ये संक्रमण, जैसे कि बैक्टीरियल निमोनिया, कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण जटिलताओं के रूप में विकसित हो सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के कारण होने वाली श्वसन सम्बंधी समस्याएँ मातृ और भ्रूण के स्वास्थ्य को जोखिम में डाल सकती हैं। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस में कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवा नहीं है। उपचार का मुख्य उद्देश्य लक्षणों का प्रबंधन करना और जटिलताओं को रोकना है। ठीक होने और ताकत बनाए रखने के लिए आवश्यक है। एसिटामिनोफेन या इबुप्रोफेन जैसी दवाएँ बुखार और शरीर के दर्द को नियंत्रित कर सकती हैं। गंभीर मामलों में, पूरक ऑक्सीजन या मैकेनिकल वेंटिलेशन की आवश्यकता हो सकती है।

निमोनिया जैसी जटिलताओं वाले रोगियों को अस्पताल में बारीकी से निगरानी की आवश्यकता हो सकती है। एचएमपीवी को रोकने के लिए, निवारक उपायों पर ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि वर्तमान में कोई टीका उपलब्ध नहीं है। संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए, इन उपायों का पालन करें। अपने हाथों को कम से कम 20 सेकंड तक साबुन और पानी से धोएँ। जब साबुन और पानी उपलब्ध न हो तो अल्कोहल-आधारित हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करें। ऐसे व्यक्तियों से दूर रहें जिनमें श्वसन सम्बंधी बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं। प्रकोप के दौरान भीड़-भाड़ वाले इलाकों से बचें। नियमित रूप से उन सतहों को साफ़ करना सुनिश्चित करें जिन्हें अक्सर छुआ जाता है, जैसे कि दरवाज़े के हैंडल, फ़ोन और काउंटरटॉप। प्रकोप या फ़्लू के मौसम के दौरान मास्क पहनने से श्वसन बूंदों के संपर्क को कम करने में मदद मिल सकती है। यदि आपको कोई लक्षण है, तो वायरस के प्रसार को रोकने के लिए घर पर रहना महत्त्वपूर्ण है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरसऔर इसके संभावित प्रभाव के बारे में जागरूक होना शुरुआती पहचान और रोकथाम के लिए महत्त्वपूर्ण है।

नजरिया

नक्सलवाद को बढ़ावा देने वालों पर भी हो नजर

अशोक भाटिया

दो वर्ष के बाद फिर छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने दोबारा सर उठाया है। नक्सलियों द्वारा किए जाने वाले बड़े हमलों में अंतिम बार छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 26 अप्रैल, 2023 को 10 जवान मारे गए थे। इसके बाद सोमवार दोपहर नक्सलियों द्वारा किये गए अब यह दूसरा और इस साल का पहला सबसे बड़ा हमला है जिसमें बीजापुर के आईईडी ब्लास्ट में आठ जिला रिजर्व गार्ड और एक ड्राइवर की मौत हो जाने के तुरंत बाद इस संवेदनशील मामले में उच्च स्तरीय मीटिंग जारी है । मामले को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ पुलिस के डीजीपी और अन्य संबंधित फोर्स के चीफ भी सक्रीय हो गए है । अब सुरक्षाबल इसका जवाब देने की तैयारी कर रहे हैं।यह ठीक है कि केंद्र सरकार ने यह संकल्प ले रखा है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा, लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति को सुनिश्चित करते हुए यह भी देखा जाना जरूरी है कि आखिर नक्सलियों को आधुनिक हथियार और विस्फोटक कहां से मिल रहे हैं? गत दिवस उन्होंने जिस विस्फोटक का इस्तेमाल कर डीआरजी की गाड़ी को निशाना बनाया, वह इतना शक्तिशाली था कि जवानों के चिथड़े उड़ गए और वाहन के परखच्चे उड़कर पेड़ पर जा टंगे। यदि यह मान लिया जाए कि नक्सली उगाही और वन संपदा के दोहन के जरिये पैसा जुटा लेते हैं, तो भी प्रश्न यह उठता है कि आखिर वे आधुनिक हथियार कहां से हासिल कर ले रहे हैं? यह तो सामने आता ही नहीं कि उन्हें घातक हथियारों की आपूर्ति कौन करता है? आखिर क्या कारण है कि तमाम नक्सलियों को मार गिराने और उनके गढ़ माने जाने वाले इलाकों में विकास के तमाम कार्यक्रम संचालित किए जाने के बाद भी उनकी ताकत कम होने का नाम नहीं ले रही है? नक्सली अपने खिलाफ जारी अभियान के बीच जिस तरह रह-रहकर सुरक्षा बलों को निशाना बनाने और उन्हें क्षति पहुंचाने में समर्थ हो जाते हैं, वह चिंता का कारण है। नक्सली गुटों में भर्ती होने वालों की उल्लेखनीय कमी न आने से यह भी लगता है कि आदिवासियों और अन्य ग्रामीणों के बीच उनकी पकड़ अभी इतनी ढीली नहीं पड़ी है कि उनकी जड़ें उखड़ती दिखें।

ऐसे में उनके खिलाफ सुरक्षा बलों के अभियान को और धार देने के साथ ही उन कारणों का पता लगाकर उनका निवारण करना भी जरूरी है, जिनके चलते वे लोगों का समर्थन हासिल करने में समर्थ हैं। निःसंदेह नक्सलवाद एक विषैली-विजातीय विचारधारा है, लेकिन नक्सलियों को जड़-मूल से समाप्त करने के लिए उनसे विचारधारा के स्तर पर भी लड़ा जाना आवश्यक है। इससे ही नक्सलियों और उन्हें वैचारिक खुराक देने वालों के इस झूठ का पर्दाफाश किया जा सकता है कि वे वंचितों के उन अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, जो उनसे छीने जा रहे हैं। इस झूठ को बेनकाब करने के लिए यह भी जरूरी है कि आदिवासियों के नैसर्गिक अधिकार बाधित न होने पाएं। इससे ही उनका भरोसा हासिल किया जा सकता है और उन्हें नक्सलियों से दूर किया जा सकता है।

गौरतलब है कि देश के कुछ राज्यों में नक्सलवाद की समस्या नासूर बन चुका है।खासकर छत्तीसगढ़ । छत्तीसगढ़ का बस्तर जिला प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर माना जाता है। बस्तर के लोग अपनी संस्कृति और विशेष परंपराओं के निर्वहन के लिए जाने जाते हैं।कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने खुशहाल जीवन जीने के लिए स्वयं को प्रकृति के अनुकूल बनाए रखा, अपने को संभाले रखा, लेकिन पिछले कुछ दशक पहले उनके खुशहाल जीवन को नक्सलियों की नजर लग गई, नाच-गाना बंद हो गया, मांदर की थाप मंद पड़ गई, सड़कें सूनी हो गई और स्कूल बंद होने लगे।स्थानीय हाट बाजार भी बंद हो गए, बस्तर के वनवासियों की जिंदगी धीरे-धीरे बेरंग हो गई। पिछले कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार में यहां के लोगों के बीच एक उम्मीद जगी है कि अब नक्सलवाद खत्म होगा।

दरअसल, केंद्र और राज्य सरकार ने नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प लेकर काम शुरू किया है। इससे लगने लगा कि बस्तर में अब धीरे-धीरे लोग हिंसा से मुक्ति पा रहे हैं। ये सच भी लगने लगा था क्योंकि पिछले 13 महीने की सरकार में नक्सली बैकफुट पर ही रहे। जवान नक्सलियों पर भारी पड़ते रहे।इसका जश्न भी बस्तर में देखने को मिला ,मगर नक्सलियों ने एक बार फिर कायराना हरकत करते बीजापुर में आठ जवानों को धात लगाकर मार दिया। इस बीच रक्षा विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नक्सलियों पर नियंत्रण पाना उतना सरल नहीं है, जितना कि इसके लिए लक्ष्य का निर्धारण मार्च 2026 तक आसानी से कर लिया गया है। ऐसे में सरकार को नक्सलियों को जड़ से उखाड़ने के लिए रणनीति में और बदलाव करने होंगे। इसके लिए दो रास्तों पर बराबर जोर देना होगा, या तो उनसे प्यार बातचीत का रास्ता प्रशस्त किया जाए या फिर वार से ही आर-पार की लड़ाई लड़कर निपटा जाए।विशेषज्ञों का मानना है कि नक्सलियों को मुख्य धारा में लाकर उनके लिए लागू होने जा रही पुनर्वास नीति के सफल क्रियान्वयन से नक्सलवाद को खुद हद तक समाप्त किया जा सकता है।ऐसा नहीं है कि इसके लिए पहले कभी प्रयास नहीं हुए हैं। इसके पहले भी सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद भी थोड़े-थोड़े समय पर ही नक्सली सक्रिय होकर सुरक्षा बलों को चुनौती देते रहे हैं, मगर कुछ न कुछ चूक की वजह से मिशन पूरा नहीं हो पाया है।पिछले वर्षों में भी सुरक्षाबलों, राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों और ग्रामीणों की हत्या करने का रिकार्ड नक्सलियों ने बना रखा है। ऐसे में नक्सलियों से पूरी तरह से निपटना अभी भी चुनौती बना हुआ है।

हालांकि इस बात से गुरेज नहीं किया जा सकता है कि प्रदेश में पिछले 13 महीने की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार के नाम नक्सलवाद के खिलाफ चले अभियान में एतिहासिक उपलब्धि दर्ज हो चुकी है। इस समयावधि में विष्णु सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति की है।इस दौरान 221 नक्सली मारे गए हैं, 925 नक्सलियों की गिरफ्तारियां हुई हैं और 738 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह कह सकते हैं कि नक्सली क्षेत्र में सक्रिय 1800 से अधिक नक्सली ठिकाने लग चुके हैं। ये निस्संदेह सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी कही जा सकती है कि नक्सलियों को योजनाएं अंजाम देने से पहले ही मार गिराया गया, परन्तु अभी भी नक्सलियों के मनोबल को तोड़ने के लिए काम करने की दरकार है।बीजापुर की घटना इसकी तस्दीक कर रही है कि खूफिया तंत्र भी नक्सलियों के मूवमेंट पर सटीक जानकारी जुटाने में फेल साबित हुआ है। अभी भी प्रदेश में लगभग एक हजार नक्सलियों के सक्रिय होने की जानकारी है।खूफिया सूत्रों के अनुसार इन नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराने, गिरफ्तार करने के बाद ही नक्सलवाद की लड़ाई जीती जा सकेगी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मार्च 2026 तक नक्सलियों का सफाया करने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि नक्सली क्षेत्र में एक भी नक्सली नेता केंद्र और राज्य सरकार के नक्सल विरोधी मुहिम के लिए घातक हो सकता है, इसलिए हर नक्सली का खात्मा जरूरी है, ताकि नक्सलियों के संगठन को पूरी तरह से तोड़ा जा सके।बस्तर के आदिवासी युवा नक्सलियों के प्रति आकर्षित न हों, इसके लिए उतनी ही लड़ाई लड़ने की आवश्यकता है जितनी की नक्सलियों से बंदूक की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। नक्सली आदिवासी समूहों को यह कहकर अपनी ओर आकर्षित करते हैं कि सरकारें उनके संसाधनों पर पूंजीपतियों को कब्जा दिलाने का प्रयास करती हैं। ऐसे में राज्य सरकार को चाहिए कि आदिवासी समुदाय को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वहां औद्योगिक इकाइयों का विस्तार करे। यहां के युवाओं को नौकरी दे ताकि वह नक्सलियों के चंगुल में न फंस सकें। हालांकि हाल में ही राज्य सरकार ने बस्तर ओलिंपिक का आयोजन करके बस्तर के आदिवासियों युवाओं को जोड़ने का काम किया है।इस आयोजन का जिक्र देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी किया था। इसके बाद से यहां के युवाओं और जवानों में नए उत्साह का संचार हुआ है। इस तरह के आयोजन इस क्षेत्र में निरंतर होते रहना चाहिए। वहीं नक्सलियों को अत्याधुनिक सूचना प्रणाली, हेलीकाप्टर आदि के जरिए उन पर नकेल कसने की कोशिश निरंतर होनी चाहिए। नक्सलियों पर पुलिसिया कार्यवाही के अलावा फंडिंग स्रोतों को भी तोड़ने की जरुरत है । फंडिंग स्रोतों के बारे में जिक्र होने पर उद्योगों से जबरन वसूली पर चर्चा होती रही है। बिहार और झारखंड में पिछले एक दशक के दौरान माओवादी संगठन के लोगों की गिरफ्तारियों के बाद यह बार बार दोहराया गया कि माओवाद प्रभावित इलाकों में जो कॉर्पोरेट बिज़नेस करते हैं, उनसे जबरन वसूली माओवादी संगठनों का बड़ा फंडिंग सोर्स रहा है। कॉर्पोरेट से भी ज़्यादा अहम उद्योग माइनिंग यानी उत्खनन का रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में यह कारोबार नक्सलियों को 'टैक्स' दिए बगैर नहीं चलता। यही नहीं, यहां अवैध उत्खनन में भी नक्सलियों की बड़ी दखलंदाज़ी रही है। मार्च 2010 में संसद में केंद्रीय खनन मंत्री हांडीक ने बताया था कि देश भर में 1,61,040 अवैध माइन्स थीं, जिनमें से बड़ी संख्या छत्तीसगढ़, झारखंड व ओडिशा के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में थीं। समझा जा सकता है कि नक्सलियों की ज़बरदस्त फंडिंग का राज़ क्या रहा। ताज़ा जानकारियों की बात करें तो 2018 के आखिरी महीनों में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी एनआईए ने बड़े खुलासे करते हुए बताया था कि छोटे और मझोले किस्म के नक्सली नेता अपने इलाकों के लोगों से भी जबरन वसूली करते रहे। यही नहीं, ये लोग को ऑपरेटिव सोसायटी और म्यूचुअल फंड्स में निवेश भी करते रहे। एनआईए के मुताबिक एक गिरफ्तार माओवादी के मामले में करीब 12 लाख रुपये का निवेश सहारा क्रेडिट को ऑपरेटिव सोसायटी में होना पाया गया था।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिविर

प्रयागराज में मंगलवार को भव्य महाकुंभ मेला 2025 के दौरान साधु अपने शिविर के बाहर आध्यात्मिक शांति का अनुभव करते हुए।

प्रवासी भारतीय दिवस ओडिशा के लिए अपनी समृद्ध विरासत प्रदर्शित करने का अवसर : जयशंकर

भुवनेश्वर/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम ओडिशा के लिए अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को विश्व के समक्ष प्रदर्शित करने का अवसर है।

तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम बुधवार से यहां शुरू होने जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रवासी केंद्र सरकार के साथ भारतीय समुदाय के जुड़ाव को मजबूत करने और उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से फिर से जोड़ने के लिए हर दो साल में एक बार आयोजित किया जाता है।

कड़ी सुरक्षा के बीच जयशंकर अपनी पत्नी के साथ कोणार्क में 13वीं सदी के प्रसिद्ध सूर्य मंदिर और पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर गए। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज कोणार्क में भव्य सूर्य मंदिर के दर्शन कर बहुत खुशी हुई। हमारी विरासत और रचनात्मकता का प्रमाण, कोणार्क आने वाले दिनों में भुवनेश्वर की यात्रा करने वाले हमारे सभी प्रवासी मित्रों के लिए अवश्य आने लायक जगह है। उन्होंने प्रसिद्ध कोणार्क चक्र की दो तस्वीरें भी पोस्ट कीं।

बाद में, मंत्री ने पुरी में 12वीं सदी के श्री जगन्नाथ मंदिर का दौरा किया और भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर के अंदर लगभग 40 मिनट बिताए और मंदिर और देवताओं के बारे में पुजारियों और सेवकों से बातचीत की। उन्होंने कहा, भुवनेश्वर में प्रवासी भारतीय दिवस समारोह की शुरुआत से पहले भगवान जगन्नाथ के दर्शन का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रवासी भारतीय दिवस पहली बार ओडिशा में आयोजित किया जा रहा है। हमने ओडिशा सरकार के साथ मिलकर सभी प्रयास किए हैं। यह ओडिशा के लिए पूरी दुनिया के सामने अपनी छवि पेश करने और विश्व फलक पर आकर्षण का केंद्र बनने का एक अवसर है।

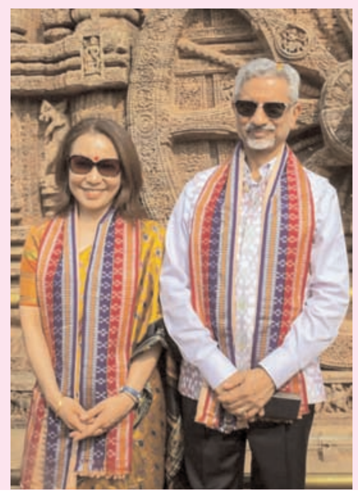

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर भुवनेश्वर का दौरा करेंगे। जयशंकर ने कहा कि प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आने वाले प्रतिनिधि पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर जा सकते हैं।

भारत, अमेरिका को विश्वसनीय आधार बनाने के लिए साझेदारों के साथ काम करने की जरूरतः व्हाइट हाउस

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और उनके भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल के बीच बैठक के बाद 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ने कहा कि भारत और अमेरिका को अब अपने साझेदारों के साथ एक विश्वसनीय आधार बनाने और नवोन्मेष के वास्ते लचीला रुख अपनाने के लिए पहले से कहीं अधिक काम करने की जरूरत है। 'व्हाइट हाउस' ने कहा, यह स्वीकार करते हुए कि हमें अपने साझेदारों के साथ एक विश्वसनीय आधार बनाने और और नवोन्मेष के वास्ते लचीला रुख अपनाने के लिए पहले से कहीं अधिक काम करने की जरूरत है, दोनों देशों ने अपनी प्रौद्योगिकी और रक्षा आपूर्ति शृंखलाओं को एकीकृत करने के लिए एक साथ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर सुलिवान और डोभाल ने 2022 में 'क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी' (आईसीईटी) पर पहल शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इस सप्ताह सुलिवन, डोभाल के साथ बैठक करने के लिए भारत की यात्रा पर गए थे।

बाइडन सत्ता हस्तांतरण को मुश्किल बनाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे : ट्रंप

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया कि जो बाइडन सत्ता हस्तांतरण को मुश्किल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अंतिम सप्ताहों में जलवायु और अन्य आधिकारिक मसलों पर बाइडन के हालिया कार्यकारी आदेशों का हवाला दिया। ट्रम्प, 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे और अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में बाइडन की जगह लेंगे। ट्रंप ने खुद के सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर कहा, बाइडन सत्ता हस्तांतरण को मुश्किल बनाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए इस तरह के फैसले लिए जा रहे हैं जो पहले कभी नहीं देखे गए। 'ग्रीन न्यू स्कैम, धन की बर्बादी के फैसले और हास्यास्पद कार्यकारी आदेश इसके उदाहरण हैं। ट्रंप ने कहा, डरो मत, ये सभी ''आदेश'' जल्द ही समाप्त हो जाएंगे, और हम सामान्य समझ तथा ताकत वाला देश बन जाएंगे।

पाकिस्तान में 22,000 से अधिक नौकरशाहों के पास दोहरी नागरिकता : रिपोर्ट

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान में एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में नेशनल असेंबली की एक समिति को सूचित किया गया कि देश के 22,000 से अधिक नौकरशाहों के पास दोहरी नागरिकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

नेशनल असेंबली पाकिस्तानी संसद का निचला सदन है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, आंतरिक मामलों से संबंधित नेशनल असेंबली की स्थायी समिति की सोमवार को राजा खुर्रम नवाज़ की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सदस्यों ने इस चलन पर चिंता जताई और खासकर नौकरशाहों, न्यायाधीशों और सांसदों के लिए इस चलन को प्रतिबंधित करने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की। बैठक में प्रस्तावित कानून पर विचार-विमर्श किया गया, जिसके तहत उन देशों के नागरिकों को पाकिस्तानी पासपोर्ट दिया जाएगा, जिनके साथ पाकिस्तान के दोहरी नागरिकता समझौते हैं। बैठक के दौरान, यह पता चला कि करीब 22,000 नौकरशाहों के पास दोहरी नागरिकता है।

अधिवेशन

अखिल भारतीय किन्नर समाज के राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए देश भर से सदस्य धनबाद में मंगलवार को एकत्रित हुए।

डायना पेंटी ने फिल्म 'आजाद' में अपना किरदार निभाने के लिए बहुत तैयारी की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री डायना पेंटी का कहना है कि उन्होंने अपनी आने वाली फ़िल्म आज़ाद में अपना किरदार निभाने के लिए बहुत तैयारी की। फिल्म आज़ाद में डायना पेंटी ने स्वतंत्रता से पहले के समय के दौरान भारत के एक छोटे से गाँव की एक पारंपरिक, जड़-मूल वाली महिला के अपने वास्तविक और प्रामाणिक चित्रण से लोगों को आकर्षित किया है। इस फिल्म में वह पहली बार अजय देवगन और निर्देशक अभिषेक कपूर के साथ काम कर रही हैं। फिल्म आज़ाद के ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब डायना से पूछा गया कि उन्होंने अपने किरदार के लिए कैसे तैयारी की, तो उन्होंने कहा, यह एक ऐसा किरदार है, जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया है। मुझे हमेशा मॉडर्न, अर्बन रोल्स के लिए चुना जाता रहा है, लेकिन यह किरदार भारत के स्वतंत्रता-पूर्व दौर की एक पारंपरिक, छोटे शहर की लड़की का है, एक ऐसी दुनिया जिससे मैं बहुत अपरिचित थी। इसलिए, हाँ, इस किरदार को निभाने के लिए बहुत तैयारी करनी पड़ी। सबसे महत्वपूर्ण अभिषेक (कपूर) के साथ टेबल रीडिंग थी, जहाँ हमने इस लड़की के किरदार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। अभिषेक ने मेरे साथ अपने मन में उसके लिए जो विजन था उसे साझा किया और मैंने भी अपने विचार साझा किए और इस तरह हमने इस संपूर्ण व्यक्ति का निर्माण किया, मुझे उम्मीद है कि मैंने उसे जीवंत करते हुए न्याय किया है! मैंने एक ड्रामा कोच के साथ कुछ ड्रामा और करैक्टर बिल्डिंग वर्कशॉप भी कीं, जिससे मुझे वास्तव में यह समझने में मदद मिली कि वह वास्तव में कौन थी। चूँकि फिल्म मध्य भारत में सेट है, इसलिए मैंने एक डायलेक्ट कोच के साथ भी कुछ सत्र किए, जिससे लहजा (एक्सेंट) सही हो सके।

अभिषेक कपूर ने डायना को उनके किरदार के लिए क्यों चुना, इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने उनका काम पहले भी देखा था। मैंने उन्हें कभी उस अवतार में नहीं देखा जिसकी मुझे इस किरदार के लिए ज़रूरत थी, इसलिए मैंने इस बारे में कई बार सोचा।उनका पेर्सोना बहुत ही वेस्टर्न है और मैं एक बहुत ही भारतीय प्रामाणिक दिखने वाली, सुंदर और ग्रेसफुल महिला चाहता था। हमने कुछ लुक टेस्ट किए और जिस डायलेक्ट को हम उनसे बोलवाना चाहते थे, हमने सोचा - क्या वह उसे निभा पाएंगी? - इसलिए हमने कई टेस्ट और रीडिंग की और वह वास्तव में अच्छी तरह से बोल रही थीं। और उन्होंने वास्तव में इस भूमिका में ईमानदारी और निष्ठा लाईं। फिल्म आज़ाद से रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भांजा अमन देवगन अपने सिने करियर की शुरुआत कर रहे हैं। यह फिल्म 17 जनवरी को रिलीज होगी।

सलमान खान का गैलेक्सी अपार्टमेंट हुआ बुलेट प्रूफ

मुंबई/एजेन्सी

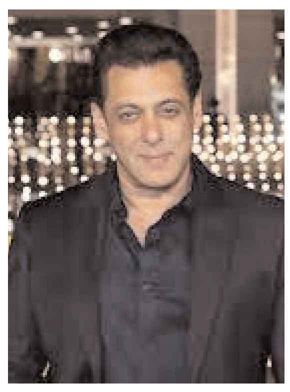

अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने मुंबई के बांद्रा स्थित घर को बुलेटप्रूफ करने के साथ ही घर के बाहर हाई-टेक सिक्योरिटी भी तैनात की। सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर हाई रिजॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरा लगाने के साथ ही पुलिस ने घर के ठीक सामने चौकी भी बनाई है। गौरतलब है, पिछले साल 14 अप्रैल को सलमान खान के घर 5 राउंड फायरिंग की गई थी, जिसके कुछ महीने बाद सलमान के करीबी और एनसीपी नेता बाबा सिद्दकी की हत्या भी कर दी गई थी। इन तमाम स्थितियों को देखते हुए सलमान खान के उस बालकनी पर खास तौर पर बुलेट प्रूफ ग्लास लगाया गया, जहां से सलमान अपने प्रशंसकों का अभिवादन करते हैं। गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर भी हाई सिक्योरिटी तैनात की गई है। बता दें, सलमान खान को पिछले कई दिनों से लॉरेंस के नाम से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। जानकारी के अनुसार 1998 में काले हिरण के शिकार की घटना को लेकर बिश्नोई समुदाय नाराज है। शिकार की घटना का जिक्र करते हुए लॉरेंस ने एक साक्षात्कार में अभिनेता को जान से मारने की धमकी दी थी।

ऐसे में अभिनेता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने उनके घर को बुलेट प्रूफ करने के साथ ही घर के बाहर भी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की है। सलमान खान के दोस्त और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुंबई क्राइम ब्रांच ने हत्या के 85 दिन बाद 4,590 पन्नों का आरोप पत्र स्पेशल मकोका कोर्ट में दायर किया था। यह आरोप पत्र अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार 26 आरोपियों और 3 फरार आरोपियों शुभम लोनकर, जीशान अख्तर और अनमोल बिश्नोई के खिलाफ दायर किया गया। आरोप पत्र में कुल 180 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं।

'मिशन ग्रे हाउस' की अभिनेत्री पूजा शर्मा के पिता ने ट्रेलर पर कहा, साल 2025 आपका होगा

मुंबई/एजेन्सी

कई अभिनेताओं को सिल्वर स्क्रीन तक ले जाने वाला रास्ता उनके लिए कभी आसान नहीं होता। यही बात पूजा शर्मा के लिए भी लागू होती है, जो फिल्म 'मिशन ग्रे हाउस' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। पूजा शर्मा उ- फाइनल के दूसरे ग्रुप की परीक्षा देने मुंबई आई थीं, लेकिन उनकी किस्मत उन्हें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ले गई। लेकिन, जिस दिन उन्होंने इस राह पर चलने का फैसला किया, उनके पिता ने उनसे बात करना या उनका फोन उठाना बंद कर दिया। इस बारे में खुलासा करते हुए पूजा ने कहा, जब मैं मुंबई आई, तो काफी समय तक मेरे पिता ने मुझसे बात नहीं की और न ही मेरा फोन उठाया। मैं समझ सकती हूं कि एक पिता होने के नाते वह चिंतित थे, वह केवल वही चीजें जानते थे जो टेलीविजन पर दिखाई जाती थीं और उन्हें लगता था कि इंडस्ट्री बहुत खराब है और उन्हें यकीन नहीं था कि मैं इसमें कैसे टिक पाऊंगी। इंडस्ट्री में हमारा कोई संबंध नहीं था, इसलिए वह और भी चिंतित थे। इसलिए उन्होंने कहा कि पहले अपना उ- पूरा करो, उसे आधा मत छोड़ो। मेरे मन में हमेशा यही विचार था कि अगर मैं यहाँ आई हूँ तो मुझे खुद को साबित करना है और उन्हें प्राऊड फील करवाना है। ओडिशा के कटक के एक छोटे से शहर से मुंबई आने वाली पूजा ने कई विज्ञापन फ़िल्में, छोटी सरदारनी, तारक मेहता का उल्टा चश्मा जैसे लोकप्रिय टेलीविज़न शो और जोहरी और दस जून की रात जैसी वेब सीरीज़ की हैं। हाल ही में उनकी पहली फ़िल्म 'मिशन ग्रे हाउस' का ट्रेलर लॉन्च किया गया और यह फ़िल्म 17 जनवरी 2025 को बड़े पर्दे पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है। कार्यक्रम के दौरान पूजा ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ वीडियो कॉल की ताकि वे उसके ख़ास दिन का हिस्सा बन सके, फिल्म के ट्रेलर में खुद को देखने के बाद मुझे वाकई बहुत अच्छा लगा और यह वाकई एक ख़ास एहसास है जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती। यह देखकर हर कोई खुश था, ख़ासकर मेरे पिता जिन्होंने कहा यह तुम्हारा साल है, 2025 तुम्हारा साल होने वाला है। वह इतने उत्साहित हैं कि वह मेरे सभी टीज़र और ट्रेलर वीडियो अपने सभी सोशल मीडिया ग्रुप, दोस्तों, परिवार, पड़ोसियों और यहाँ तक कि हमारे मारवाड़ी समाज के ग्रुप में शेयर कर रहे हैं, पूजा ने फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद अपने परिवार की प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए कहा। वास्तव में वह मुझसे ज़्यादा मेरी फिल्म का प्रचार कर रहे हैं (पूजा हंसती हैं)। मेरे पिता जो एक समय मुझसे बात नहीं करते थे, अब मुझे प्रेरित कर रहे हैं, जब मुझे कुछ अपने आप को लेके संदेह होता है और मैं उनसे पूछती हूँ कि पापा मैंने अपना उ- छोड़ दिया और मेरा अगर मेरा फिल्मी करियर अच्छा नहीं चला तो क्या होगा?

वह कहते हैं कि तुमने अब तक अच्छा किया है और मुझे यकीन है कि तुम आगे भी अपना रास्ता बनाओगी, इसलिए चिंता मत करो सब ठीक हो जाएगा, 'पूजा शर्मा ने अपनी बात पूरी करते हुए कहा। सीमिशन ग्रे हाउससी में डेब्यूटेंट अभिनेता अबीर खान के साथ रजा मुराद, किरण कुमार, राजेश शर्मा और आमिर खान की बहन निखत खान जैसे वरिष्ठ अभिनेता भी हैं।

'पाताल लोक' सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज किया

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने सीरीज़ पाताल लोक सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। अविनाश अरुण धवारे निर्देशित और क्लीन स्लेट फिल्म्ज़ के साथ ईयूनोइया फिल्म्स निर्मित पाताललोक सीजन 2 को सुदीप शर्मा द्वारा लिखित, रचित किया गया है और वह इसके कार्यकारी निर्माता भी है। इस नए सीजन में इसके लोकप्रिय मुख्य कलाकार, जयदीप अहलावत, इश्वाक सिंह और गुल पनाग की वापसी हो रही है, साथ ही तिलोत्तमा शोम, नागेश कुकुनूर और जाह्नु बरुआ जैसे नए कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में शामिल हैं। पाताल लोक सीजन 2 का प्रीमियर 17 जनवरी को विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में किया जाएगा।

पाताल लोक सीजन 2 का ट्रेलर एक रोमांचक क्राइम थ्रिलर की झलक पेश करता है, जिसमें अंडरडॉग इंस्पेक्टर हाथी राम चौधरी को अनदेखे और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में उतारा गया है। नागालैंड की पृष्ठभूमि पर आधारित यह ट्रेलर दिखाता है कि कैसे हाथी राम अपने भरोसेमंद सहयोगी इमरान अंसारी के साथ मिलकर सच की खोज में सिस्टम की ताकतों और समाजिक बुराइयों के खिलाफ अपनी जिद जारी रखता है। जयदीप अहलावत ने कहा,पाताल लोक सीजन 1 मेरे करियर की एक विशेष उपलब्धि थी, और इसे मिली जबरदस्त सराहना आज भी मुझे विनम्र बनाती है।हाथी राम चौधरी केवल एक किरदार नहीं था, बल्कि यह समाज और मानवता की जटिलताओं को प्रतिबिंबित करने वाला एक दर्पण बन गया, जिसने दुनियाभर में लाखों लोगों के दिलों को छुआ। सीजन 2 के साथ, हम हाथी राम की मनोस्थिति में और गहराई तक उतरते हैं। यह सीजन उसके असली, असुरक्षित पक्ष को उजागर करता है, क्योंकि वह नई प्रतिकूलताओं, अनदेखे नैतिक संघर्षों और अपनी ही परछाइयों से जूझता है। यह और भी अधिक गहरा, कठोर और मानवीय जटिलताओं से भरा हुआ है, जो दर्शकों को बांधे रखेगा। टीज़र और पोस्टर ने पहले ही उत्सुकता जगा दी है, और मैं इस रोमांचक अध्याय को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

कल्पना पटोवारी का संगीतमय वृतचित्र गंगास्नान रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जानीमानी गायिका कल्पना पटोवारी का बहुप्रतीक्षित संगीतमय वृतचित्र गंगास्नान रिलीज हो गया है। गंगास्नान, कल्पना पटवारी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। यह वृतचित्र भिखारी ठाकुर की कालजयी रचना गंगास्नान पर आधारित है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई शैली और आधुनिक संगीत के साथ प्रस्तुत किया गया है। इस गीत को लेकर कल्पना ने कहा कि गंगास्नान केवल एक गाना नहीं, बल्कि मां गंगा और सनातन संस्कृति को समर्पित एक संगीतमय श्रद्धांजलि है। यह वृतचित्र न केवल संगीत प्रेमियों, बल्कि गंगा के प्रति श्रद्धा रखने वाले हर व्यक्ति को जोड़ेगा।

कल्पना की आवाज में गंगास्नान अब तक का सबसे अनूठा भोजपुरी संगीत है, जिसमें भारतीय जैज़ पियानोवादक लुइज बैंक्स, गिटारवादक कुश उपाध्याय, ड्रमर गीनो बैंक्स और सारंगी वादक दिलशाद खान जैसे प्रसिद्ध संगीतकार शामिल हैं। इस गाने में भारतीय जैज़ और ब्लूज़ को पश्चिमी संगीत के साथ मिलाकर एक अद्भुत रचना तैयार की गई है। इस प्रोजेक्ट में स्पेन और डेनमार्क के संगीतकारों ने भी योगदान दिया है। गाने के विभिन्न भागों को लुइज बैंक्स की जैज़ धुनों, गीनो बैंक्स के ड्रम सोलो और पश्चिमी ब्लूज़ पॉप गायन के साथ मिलाकर तैयार किया गया है।इस गाने को प्रसिद्ध लोक कलाकार स्वर्गीय रामाज्ञा राम और अरुणव डेका के सहयोग से लिखा गया है। गंगास्नान का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता समुज्ज्ल कश्यप ने किया है। इस वृतचित्र की शूटिंग काशी और प्रयागराज जैसे सांस्कृतिक केंद्रों में की गई है, जो गंगा नदी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को खूबसूरती से दर्शाता है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में बनरघट्टा रोड स्थित खाटू श्याम मन्दिर का बाहरवाँ वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया। वार्षिकोत्सव के मौके पर मंगलवार को सुबह 9 बजे से चंद्रप्रकाश रामसिसरिया गौशाला में सबसे पहले सभी श्याम निशानों की विधि विधान से पूजा की गई तथा उपस्थित सभी श्याम भक्तों ने बाबा श्याम की ज्योत ली।

महासभा की संगठन यात्रा पहुंची यशवंतपुर, बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी महासभा के निर्देशानुसार सभा प्रभारी संगठन यात्रा के तहत तेरापंथ भवन यशवंतपुर पहुंचे। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन महासभा के दक्षिण आंचलिक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा ने किया। यशवंतपुर सभाध्यक्षसुरेश बरडिया ने सभी का स्वागत किया। मंत्री अनिल दक ने सभा की गत कार्यसमिति बैठक का वाचन करते हुए सभा द्वारा संपादित गतिविधियों की जानकारी दी। सभा प्रभारी नवनीत मुथा ने सभा के दायित्व एवं संविधान की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सभा संवैधानिक नियमों तथा महासभा द्वारा निर्धारित संविधान के तहत संचालित हो। क्षेत्र में प्रवासित सभी तेरापंथी परिवारों की सार सम्भाल करना, परिवार का हर सदस्य सभा से जुडे इसका संज्ञान लेना एवं ज्ञानशाला संचालन सभा का महत्वपूर्ण दायित्व है।

प्रकाश लोढ़ा ने महासभा के समस्त आयामों की विस्तृत जानकारी दी। सेवा साधक महेंद्र दक ने 'सेवा साधक श्रेणी' आयाम के लक्ष्य से अवगत कराते हुए इस श्रेणी से जुड़ने का आह्वान किया। पूर्व सभाध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने कहा यशवंतपुर सभा की वर्तमान टीम बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्ष मीनाक्षी दक, सभा पूर्वाध्यक्ष प्रकाश बाबेल, सभा उपाध्यक्ष कुंदन गन्ना, विजयराज बरडिया, ताराचंद गन्ना, कोषाध्यक्ष निर्मल बाफना,सहमंत्री सुनील बाबेल कमलेश दक,संगठन मंत्री भेरुलाल मांडोत, तेयुप मंत्री दिलिप पितलिया, महावीर ओस्तवाल, देवेन्द्र की उपस्थिति रही। सभा उपाध्यक्ष ताराचंद गन्ना ने धन्यवाद दिया। सभा मंत्री अनिल दक ने संचालन किया ।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर की तीसरी कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर की तृतीय कार्यकारिणी बैठक तेरापंथ भवन में अध्यक्ष कमलेश चौरडिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन तथा सहमंत्री चेतन मांडोत् ने द्वितीय कार्यकारिणी बैठक का वाचन किया। अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया तथा तेयुप द्वारा किए कार्यों की जानकारी दी। साथ ही एटीडीसी श्रीरामपुरम को प्राप्त हुए सर्टिफिकेट एनएबिएल, एटीडीसी में आने वाली नई मशीनरी पर चर्चा की। उन्होंने बॉक्स क्रिकेट टूर्नमिंट एवं आगामी रविवार को गेट टूगेदर रखने की जानकारी प्रदान की। सुनील बाफना ने अपने विचार व्यक्त किए। तेयुप परमार्शक चंद्रेश मांडोत ने एटीडीसी एवं अन्य कार्यो को संपादित करने की प्रेरणा दी। अतिथि विशेष संजीव गन्ना ने अपने विचार व्यक्त किए्। इस अवसर पर प्रबुद्ध विचारक अरविंद गन्ना, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना एवं कार्यसमिति सदस्य उपस्थित थे। मंच का संचालन जयंतीलाल गाँधी ने किया एवं आभार संजय मांडोतने दिया।

'खागा' ने राज्य के राजस्व मंत्री को वित्तमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक होजरी एवं गारमेन्ट एसोसिएशन (खागा) के एक प्रतिनिधि मंडल ने कर्नाटक के राजस्व मंत्री एवं जीएसटी काउंसिल सदस्य कृष्ण बैरेगौडा से मिलकर एसोसिएशन की ओर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आगामी बजट में रेडीमेड गारमेंट पर जीएसटी की दरों में संभावित बढ़ोतरी के मद्देनजर खागा के टेक्ससेशन कमेटी के चेयरमैन सज्जनराज मेहता ने कृष्ण बैरेगोडा से आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में रेडीमेड गारमेंट पर किसी भी तरह की कर बढ़ोतरी नहीं करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कपड़ा भी मनुष्य के जीवन में रोटी व मकान के साथ बहुत ही महत्वपूण है। खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने रेडीमेड गारमेंट पर अलग-अलग प्रकार की श्रेणी से जीएसटी की दरों को समाप्त

कर एक ही श्रेणी में जीएसटी लगाया जाएं ताकि लोगों को व्यापार में आसानी हो।

खागा की मांग पर मंत्री कृष्ण बैरेगोडा ने आगामी काउंसिल बैठक में रेडीमेड गारमेंट एवं कपड़ा व्यापारियों की समस्याओं को वित मंत्री के समक्ष उठाकर अवगत करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर खागा के सचिव कैलाश बालर एवं संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा भी उपस्थित रहे।

जेएलडब्ल्यु नॉर्थ ने जीतो दिवस लीग क्षेत्रीय खेल आयोजन में हासिल की जीत

गदग/दक्षिण भारत। जीतो लेडीज विंग गदग चैप्टर द्वारा एक रिसोर्ट में आयोजित जीतो दिवस लीग क्षेत्रीय खेलों में जीतो नार्थ लेडीज विंग टीम ने जीत हासिल की। इस आयोजन में जीतो केकेजी ज़ोन की छह टीमों ने भाग लिया। जीतो नार्थ लेडीज विंग ने टीम वर्क और आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन करते हुए कप्तान तनुजा मेहता के नेतृत्व में विजेता लीग ट्रॉफी अपने नाम की। तनुजा मेहता ने व्यक्तिगत रूप से क्वीन ट्रॉफी भी जीती। केकेजी ज़ोन संयोजक और सह संयोजक पिंकी जैन और कीर्ति जैन आदि ने पुरस्कार वितरण समारोह में ट्रॉफी प्रदान की।उप कप्तान नंदा बाफना ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और टीम को प्रेरित किया। वंदना कोठारी, श्वेता जैन, नम्रता जैन, ट्विंकल जैन, समता जैन, मीना जैन और खुशबू जैन ने टीम भावना से हर खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, जेएलडब्ल्यू अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना और मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने टीम की इस जीत पर हर सदस्य को बधाई दी।

श्याम मंदिर वार्षिकोत्सव पर श्याम मंदिर में लहराए सैंकड़ों निशान

जयकारों के साथ निकली निशान यात्रा, उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में बनरघट्टा रोड स्थित खाटू श्याम मन्दिर का बारहवाँ वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया। वार्षिकोत्सव के मौके पर मंगलवार को सुबह 9 बजे से चंद्रप्रकाश रामसिसरिया गौशाला में सबसे पहले सभी श्याम निशानों की विधि विधान से पूजा की गई तथा उपस्थित सभी श्याम भक्तों ने बाबा श्याम की ज्योत ली। पूजा के बाद श्याम भक्तों को निशान वितरण किए गए और निशान लेकर श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर गौशाला से श्याम मंदिर तक निशान यात्रा निकाली। निशान यात्रा में बाबा श्याम की जयकारे गुंजायमान हो रहे थे, भक्त श्याम कीर्तन करते हुए मंदिर पहुंचे। निशान यात्रा के रास्ते में विभिन्न सभा संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने फल, सूखे मेवे व पेयजल वितरित किया। मंदिर पहुंचकर सबसे पहले श्याम मंदिर के संस्थापक सदस्य महेश गुप्ता, रेवन्तमल झंवर, ऋषि गुप्ता, सुशील राणासरिया, प्रभात किशनपुरिया, किशोरीलाल मोहता, देवीलाल गोयल ने सपत्नीक निशान अर्पण किए साथ ही सैंकड़ों श्याम भक्तों ने श्याम मंदिर में कुल 101 चांदी के व 501 कपड़े के रंग बिरंगे अलौकिक निशान अर्पण किए।

निशान यात्रा का माहौल बिल्कुल रिंगस से खाटू की निशान यात्रा जैसा था। जो श्रद्धालु हाथों में निशान लिए हुए थे वे तो श्याम खुशी में झूम रहे थे, साथ ही अन्य हजारों श्रद्धालु भजन गाते हुए, श्याम बाबा के जयघोष करते हुए श्याम मस्ती में मस्त थे। मंदिर का माहौल बहुत ही श्रद्धापूर्ण व उल्लासपूर्ण था। इस मौके पर पूरे मंदिर की ताजे फूलों से विशेष सजावट की गई व परिसर को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया था। खाटू वाले बाबा श्याम प्रतिमा का बहुत ही मनोरम श्रृंगार किया था, श्रृंगार इतना अलौकिक था कि बाबा के श्रृंगार को निहारते हुए श्रद्धालु की नजर ही नहीं हट रही थी। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के दर्शन कर दरबार में हाजरी लगाई। दोपहर 3 बजे से मंदिर प्रांगण में भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय गायकों सहित कोलकाता के भजन गायक जयशंकर चौधरी व सौरभ शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी।

'मातृछाया' की सदस्याएं करेंगी तीर्थ यात्रा व परमार्थ सेवा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'मातृछाया' जैन महिला संगठन की एक बैठक शंकरपुरम स्थित 'मातृछाया' के कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में संस्था द्वारा 19 से 30 जनवरी तक तीर्थ यात्रा और सेवा कार्यों का आयोजन करने पर सहमति बनी। इस यात्रा में संस्था की करीब 35 सदस्याएं स्वराशि से शंखेश्वर और पालीताणा सहित 12 से 15 तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगी। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि तीर्थ यात्रा में साधु-साध्वी के प्रति वैयावच्च, भक्ति और वंदन के साथ तीर्थ स्थलों के दर्शन किए जाएंगे। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करना है, बल्कि परमार्थ सेवाओं को भी बढ़ावा देना है। बाल आश्रम, वृद्धाश्रम और महिलाओं के आश्रमों में सेवा प्रदान करते हुए संस्था जरुरत के अनुसार 11 व 21 हजार रुपए सहायता राशि के चेक भेंट करेगी। सचिव रेशमा बडोला ने बताया कि शंखेश्वर तीर्थ में चल रहे जीवदया के प्रमुख कार्यों में भी सहयोग राशि प्रदान की जाएगी। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि यात्रा के दौरान साधर्मिकों को भी आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी भक्ति और सेवा को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस बैठक में संस्था की अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

वार्षिक संगोष्ठी में प्रदर्शनी आयोजन पर हुई चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय आऊवा जैन महिला मंडल की वार्षिक संगोष्ठी अध्यक्ष

कांता रायसोनी के नेतृत्व में जयनगर आयोजित हुई। कांता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। पूर्व मंत्री बिन्दु रायसोनी ने मंडल के नियमों का गठन किया व आने वाले साल में और बेहतर बनाने पर चर्चा की। मंडल की बैठक में प्रदर्शनी का आयोजन करने का प्रस्ताव रखा गया। पूर्वाध्यक्ष मंजु चण्डालिया, दुर्गा सुराणा, वसंता रायसोनी, मैना मांडोत ने परिवार, संगठन व मानवसेवी कार्य आदि पर अपनी विचार व्यक्त किए। सहमंत्री मंजु रायसोनी ने धन्यवाद दिया। अनेक मनोरंजक खेलो का आयोजन किया गया। कोषाध्यक्ष शंकेश्वरी बरलोटा ने साल के बजट के बारे में बताया। मंत्री पिंकी इसरानी ने संचालन किया।

नए कीर्तिमान स्थापित कर आनंद से सम्पन्न हुई 'श्री उत्सव' प्रदर्शनी

तेरापंथ महिला मंडल की सदस्याओं में दिखा विशेष उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर का तेरापंथ महिला मंडल बेंगलूरु द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, आर्थिक उन्नति, कौशल उद्यमिता, आत्मविश्वास की बढ़ोतरी, मानसिक सुदृढ़ता के लिए वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में दो दिवसीय प्रदर्शनी 'श्री उत्सव' का समापन हुआ। इस मौके पर अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने कहा कि 'श्री उत्सव' प्रदर्शनी भारत के विकास और सामाजिक प्रगति का प्रतीक है। यह जैन समाज की व्यावसायिक नेतृत्व क्षमता को उजागर करता है। श्री उत्सव में प्रतिष्ठित महिला व्यवसायी, उत्पादक, स्टार्टअप से जुड़ी युवतियाँ और महिला उद्यमियों को सुरक्षित और सशक्त मंच प्रदान किया गया। इस मंच ने न केवल उत्पादों की गुणवत्ता पर जो दिया, बल्कि उनके महत्व को भी उजागर किया।

प्रदर्शनी में तेरापंथ महिला मंडल ने अपने पंख पसार कर ऊंची उड़ान भरी। एक से बढ़कर एक स्टॉल ने अपनी अनूठी और आकर्षक कलेक्शन के साथ प्रदर्शनी में शामिल आयरा ज्वेल्स एंड डायमंड्स, ओएसएस ज्वेल्स, महक क्रिएशंस, बनारस सारीज, वज्रा सिल्वर, ईनार सिल्वर ब्रांडों ने तथा डिज़ाइनर कपड़े, भारतीय संस्कृति को उजागर करती पेंटिंग, सौंदर्य प्रसाधन ने घर और व्यक्तिगत सौंदर्य के लिए विशेष उत्पादों ने ग्राहकों को खूब लुभाया। गृह उद्योग भंडार कार्यरत साधर्मिक महिलाओं द्वारा हाथ से बने उत्पाद मिठाइयाँ, नमकीन, पापड़, अचार और चूर्ण जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों ने भी ग्राहकों के मुख का स्वाद और बढ़ाया। रेकी, एक्युप्रेशर, सूजोक थेरेपी एवं आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर द्वारा लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया गया। जयपुर, कोलकत्ता, मुंबई के रोज़ गोल्ड आभूषण, दिल्ली, पूना के कस्टमाइज बैग और पर्स और कई बुटीक स्टोर की कुर्तियों को ग्राहकों ने खूब सराहा।

इस श्री उत्सव प्रदर्शनी के दो दिनों में शहर की अन्य तेरापंथ महिला मंडल, जीतो नार्थ व साउथ लेडीज विंग, मातृछाया आदि अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों ने प्रदर्शनी में भाग लिया और खरीददारी भी की। इस प प्रदर्शनी में विभिन्न लक्की ड्रॉ में चांदी सिक्के, डायमंड पेंडेंट, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेब, मिक्सर ग्राइंडर विजेताओं को दिए गए।

सर्वोत्तम स्टॉल और फूड स्टॉल वालों को भी डायमंड पेंडेंट दिया गया। श्री उत्सव में बिन्दु रायसोनी, शांति सकलेचा, सूर्यकला सियाल, संतोष सोलंकी, संतोष सेठिया, कुसुम डाँगी, सुनीता जोगड़, निर्मला सोलंकी, कांता लोढ़ा, भानुप्रिय, उर्मिला सुराणा, प्रेम सिंघी, पुष्पा दुधेड़िया, लता जैन, अनीता नाहर , विनीता मरोठी, मीना आच्छा, दमयंती कटारिया, ज्योति डूंगरवाल, उर्मिला डूँगरवाल सहित उपाध्यक्ष लता गादिया, मंत्री ज्योति संचेती, किरण गिलुंडिया कोषाध्यक्ष, सहमंत्री वीना पोरवाल, प्रमिला धोका, प्रचार प्रसार मंत्री पवन संचेती व संगीता आंचलिया, संयोजिका बिंदु नाहर ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। दो दिवसीय इस प्रदर्शनी में लगभग तीन हज़ार लोगों का आवागमन रहा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com